● वर्ष-3
● अंक-165
रायपुर, रविवार
18 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› आलिया की पोचर का ट्रेलर...

भारत का बदलाव अद्वितीय-नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछला दशक भाजपा के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में पांच राज्यों में भाजपा की सरकार थी, लेकिन फिलहाल 12 राज्यों में भाजपा और 17 राज्यों में राजग सत्तारूढ़ है। नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 10 प्रतिशत वोट और तीन सीट से बढ़कर 38.5 प्रतिशत वोट और 77 सीट पर पहुंच गई; हम अगली बार राज्य की सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि ये हम सब के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं। आज एक माहौल में हम एकत्र हुए हैं, जहां हमें पीछे भी जीत दिखी है और आगे भी जीत मिलेगी। जेपी नड्डा ने कहा कि आज हम सब के बीच में हमारे नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, जिन्होंने देश को, पार्टी को, समाज को नेतृत्व प्रदान कर राजनीति में नया आयाम स्थापित किया। मैं अपने प्रधानमंत्री जी का स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि दशक के भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में हमने हर कालखंड देखा है। हमने संघर्ष का काल देखा है, हमने उपेक्षा का काल देखा है, जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ने वाला काल देखा है, हमने आपातकाल देखा है, चुनाव में हारने और जीतने का काल भी देखा है। लेकिन हमें इस बात की खुशी है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछला दशक जो गुजरा, वो उपलब्धियों से भरा हुआ है। नड्डा ने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। 2014 से पहले हमारी सिर्फ 5 प्रदेशों में सरकारें थी और लंबे समय तक हम 5-6 पर रूके हुए थे। 2014 के बाद, आज 17 प्रदेशों में ह्लह्ल की सरकारें हैं और 12 प्रदेशों में विशुद्ध भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोग हमारा उपहास करते थे, कहते थे कि साहब तो आप पूरी सरकार बनाएंगे, वो सोचते थे कि ये संभव नहीं है। लेकिन 2014 के बाद हमारी सरकार बनी और 2019 में फिर से हमारी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि पार्टी लंबी वैचारिक यात्रा भी पूरी की है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसने 1951 में जो कहा 2023-24 में भी उसी बात पर टिकी रही। कोई राजनीतिक पार्टी ऐसी नहीं है, जिसका वैचारिक अधिष्ठान टिका रहा हो। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राजनीतिक कारणों से जो %महिला आरक्षण बिल% 3 दशकों से पास नहीं हो पाया था, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वही नारी शक्ति वंदन अधिनियम मात्र 3 दिन में पास हो गया। उन्होंने कहा कि हमने वो भी समय देखा, जब 1989 में पालमपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था और वहां पास हुआ था कि हम राम मंदिर निर्माण के लिए सभी संभावनाओं की तलाश करेंगे। कुछ लोगों ने हमारा उपहास किया कि मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे। राम मंदिर का निर्माण हुआ, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री जी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की... आप आए नहीं ये आपके कर्म थे।

पिछला दशक मोदी की उपलब्धियों से भरा रहाः भाजपा अध्यक्ष

हर बूथ पर भाजपा के 370 वोट बढ़ाएं कार्यकर्ताः मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं का शनिवार को आह्वान किया कि वे आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को 370 से अधिक सीटें जिताने के लक्ष्य को एक आंकड़ा नहीं, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि समझ कर प्राप्त करें। मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के शुभारंभ के पहले पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए यह भी आह्वान किया कि हर बूथ पर भाजपा के 370 वोट बढ़ाएं। भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने संवाददाताओं को प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के बिन्दुओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 पार पहुंचाने का लक्ष्य मात्र एक आंकड़ा नहीं है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू -कश्मीर को भारत का अटूट एवं अविभाज्य अंग बनाने के लिए बलिदान दिया था। हर कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए आगे आए और इसे एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि श्रद्धांजलि के रूप में लें। श्री तावड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा और राजग जो सीटें लड़नी है, उनके उम्मीदवार की घोषणा कर दी और वह उम्मीदवार है - कमल का फूल। उन्होंने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता कमल को जिताने के लिए कमर कस लें। जिन लोगों को केंद्र या राज्य की सरकारों की योजनाओं का लाभ मिला है, उनसे 100 दिनों में संपर्क करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता अगले 100 दिन तक पिछली बार प्राप्त वोटों में कम से कम 370 वोटों की वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि जो प्रथम बार के वोटर हैं.

अयोध्या के बाद मथुरा की बारी!

चुनाव में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन की बैठक हो रही है। इस बैठक में देश भर से 11000 से ज्यादा पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक के जरिए कहीं ना कहीं लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा राजनीति बन सकती है। चुनाव को लेकर ही पार्टी की ओर से महामंथन किया जा रहा है। इस बैठक में राम मंदिर लेकर भी प्रस्ताव लाया जा सकता है।

इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद किया जाएगा। लेकिन इस बैठक में मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को भी बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि राम मंदिर का वादा पूरा करने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे बैठक में हरे कृष्णा गा रहे हैं।

इससे कहीं ना कहीं पार्टी यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि कृष्ण लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।

दरअसल, भाजपा की ओर से बार-बार इशारा किया जाता रहा है कि अयोध्या विवाद का हमने निपटारा किया है। अब हमें काशी और मथुरा विवाद का भी निपटारा करना है। हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान से भी कुछ इसी तरीके का संदेश मिला था। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए काशी और मथुरा की तरफ इशारा किया और कहा कि अयोध्या का मुद्दा जब लोगों ने देखा तो नंदी बाबा ने भी इंतजार किए बगैर रात में बैरिकेड तोड़वा डाले और अब हमारे कृष्ण कन्हैया भी कहां मानने वाले हैं।

किसान आंदोलन से उत्तरी राज्यों को रोजाना 500 करोड़ का आर्थिक नुकसानः पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि किसान आंदोलन के लंबा चलने से उत्तरी राज्यों में व्यापार और उद्योग को 'गंभीर नुकसान' पहुंच सकता है।

उद्योग मंडल का कहना है कि किसान आंदोलन से रोजगार को भारी नुकसान होने की आशंका है और इससे प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होगा।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा, लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन से प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा। ...और उत्तरी राज्यों मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के चौथी तिमाही के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पर असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि उद्योग मंडल देश में सभी के कल्याण के लिए आम सहमति के साथ सरकार और किसानों दोनों से मुद्दों के शीघ्र समाधान की आशा करता है। अग्रवाल ने कहा कि किसानों का आंदोलन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के व्यवसायों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

उत्पादन प्रक्रियाओं को निष्पादित करने और उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए ऐसी इकाइयों का कच्चा माल बड़े पैमाने पर अन्य राज्यों से खरीदा जाता है। सबसे बड़ी मार पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के एमएसएमई पर पड़ेगी। उन्होंने कहा, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की संयुक्त जीएसडीपी मौजूदा कीमतों पर 2022-23 में 27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इन राज्यों में लगभग 34 लाख एमएसएमई हैं जो अपने संबंधित कारखानों में लगभग 70 लाख श्रमिकों को रोजगार देते हैं।

प्रमुख समाचार

हम तैयार हैं, आम चुनाव को लेकर बोले मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को आम चुनाव को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संसदीय चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव कराने के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं और सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। कुमार ने कहा कि मैं चुनाव आयोग की ओर से और मीडिया के माध्यम से कहना चहता हूं कि हम 2024 के संसदीय चुनाव और उड़ीसा में राज्य विधानसभा चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हमारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं। सीईसी ने कहा कि मैं आयोग की ओर से आपके (मीडिया) माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि ओडिशा के सभी मतदाताओं को आना चाहिए और लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लेना चाहिए। उम्मीद की जा रही है कि चुनाव आयोग जल्द ही लोकसभा चुनाव 2024 की तारीख की भी घोषणा कर देगा। ओडिशा में इस साल विधानसभा चुनाव होना है, इसलिए लोकसभा चुनाव के साथ ही ओडिशा चुनाव की घोषणा भी हो सकती है। माना जा रहा है कि इस साल अप्रैल और मई के महीने में लोकसभा कराया जा सकता है। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को समाप्त होगा।

राकेश टिकैत ने केंद्र को बताया पूंजीपतियों की सरकार

नई दिल्ली। शनिवार को किसानों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन में प्रवेश कर गया, किसान नेता राकेश टिकैत ने आज कहा कि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदर्शनकारी गाज़ीपुर सीमा की ओर जाएंगे और दिल्ली जाने के बजाय, वे अपने ट्रैक्टर सीमाओं की ओर राजमार्ग पर लगा देंगे। उन्होंने कार्यक्रम में आगे कहा कि अगर 21 फरवरी के मार्च के बाद मांगें पूरी हो गईं तो आंदोलन खत्म कर दिया जाएगा। शनिवार को मुजफ्फरनगर में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा आयोजित महापंचायत का फैसला सुनाते हुए टिकैत ने यह बात कही। इसके अलावा, किसान नेता ने महापंचायत के फैसले पर फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी 21 फरवरी को स्थानीय तहसीलों में ट्रैक्टर लेकर जाएंगे और 26 और 27 फरवरी को वे अपने ट्रैक्टर दिल्ली की सीमाओं की ओर राजमार्ग पर लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हम हरिद्वार से ग़ाज़ीपुर बॉर्डर की ओर जाएंगे। हम दिल्ली नहीं जाएंगे लेकिन हाईवे पर ट्रैक्टर निकाल देंगे। हम किसान संयुक्त मोर्चा के साथ खड़े रहेंगे। साथ ही उन्होंने मोदी सरकार को कंपनी की सरकार बताया। मोदी सरकार पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि ये सरकार अगर अटल-आडवाणी की होती तो हमारी बात मानती.

चंपई सरकार के सामने नया संकट, विधायकों में नाराजगी

रांची। झारखंड में सीएम चंपई सोरेन की सरकार के गठन के 15 दिनों के भीतर कैबिनेट का भी विस्तार हो गया। हालांकि, इस विस्तार के बाद झारखंड सरकार के सामने नया संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। कई कांग्रेस विधायकों में नाराजगी है। कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने कहा कि हम कुल मिलाकर 12 लोग हैं। हमने एक पत्र के माध्यम से अपनी चिंता अपने पीसीसी अध्यक्ष के साथ साझा की है। हमारी मांग पहले जैसी ही है। उन्होंने कहा कि शपथ समारोह में शामिल होने का मतलब यह नहीं है कि हम अपनी मांगों को भूल गए हैं। हम केवल हमारी चिंताओं के बारे में अपनी पार्टी को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि कैबिनेट विस्तार होने से पहले हमने अपने विचार रखे थे... हमारी मांग थी कि अगर नई सरकार बन रही है और कैबिनेट में फेरबदल हो रहा है तो नए चेहरों को मौका देना चाहिए था। कैबिनेट को लेकर कांग्रेस विधायकों की असहमति पर जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा कि परेशान या नाराज होना गलत नहीं है, उम्मीदें तो हर किसी की होती हैं।

इस साल ज्ञानपीठ पुरस्कार गुलज़ार और रामभद्राचार्य को

नई दिल्ली। प्रसिद्ध उर्दू गीतकार और कवि गुलज़ार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 2023 ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। दोनों शख्सियतें अपने-अपने क्षेत्र में मशहूर हैं। गुलज़ार को वर्तमान समय के बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक माना जाता है, जिन्हें हिंदी सिनेमा में उनके काम के लिए सराहना मिली है। इससे पहले उन्हें 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार और 2004 में पद्म भूषण सहित अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, उन्हें हिंदी सिनेमा में विभिन्न कार्यों के लिए पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले हैं। चित्रकूट में स्थित, तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख, रामभद्राचार्य एक प्रमुख हिंदू आध्यात्मिक गुरु, शिक्षक और 100 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं। जन्म से अंधे होने के बावजूद जगद्गुरु रामभद्राचार्य संस्कृत भाषा और वेद-पुराणों के प्रकांड विद्वान हैं। ज्ञानपीठ समिति ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2023 के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार दो भाषाओं के प्रसिद्ध लेखकों, संस्कृत साहित्य के जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार श्री गुलज़ार को देने का निर्णय लिया गया है।

इसरो ने रचा इतिहास, मिलेगी मौसम की सटीक जानकारी

हरिकोटा। जियोसिंक्रोनस लॉन्च व्हीकल रॉकेट पर सवार INSAT-3DS मौसम उपग्रह ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी। मिशन का लक्ष्य वर्तमान परिचालन INSAT-3DS और INSAT-3DR उपग्रहों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की निरंतरता को बनाए रखना है। यह सैटेलाइट सहायता प्राप्त खोज और बचाव सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ उन्नत मौसम संबंधी टिप्पणियों, मौसम की भविष्यवाणी और आपदा चेतावनी के लिए भूमि और महासागर सतहों की निगरानी पर केंद्रित है। इसरो के INSAT-3DS मिशन के उद्देश्य हैं, पृथ्वी की सतह की निगरानी करें, महासागरों का निरीक्षण करें और विभिन्न आवश्यक मौसम संबंधी दृष्टिकोणों के माध्यम से पर्यावरण का विश्लेषण करें। ऊर्ध्वाधर प्रोफाइल के माध्यम से विविध वायुमंडलीय स्थितियों पर जानकारी प्रदान करें। डेटा संग्रह प्लेटफ़ॉर्म (डीसीपी) से डेटा संग्रह और प्रसार का प्रबंधन करें। खोज और बचाव सेवाओं का समर्थन करें।

इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे कमलनाथ का कांग्रेस से क्यों हुआ मोहभंग, आखिर क्या है खटास की असली वजह

भारतीय जनता पार्टी में शामिल की अटकलों के बीच कांग्रेस नेता कमलनाथ शनिवार को दिल्ली पहुंचे। प्रभावशाली गांधी परिवार के बाद सबसे बड़े कांग्रेस नेताओं में से एक, मध्य प्रदेश के दिग्गज नेता ने फिलहाल पूरे मामले को लेकर चुप्पी साध रखी है। हालांकि, यह पूछे जाने पर कि क्या वह बीजेपी में शामिल हो रहे हैं, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि आप सभी उत्साहित क्यों हो रहे हैं? यह इनकार करने के बारे में नहीं है। अगर ऐसा कुछ है तो मैं आप सभी को सूचित करूंगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने शामिल होने की खबरों को खारिज नहीं किया ना इनकार किया। यही कारण है कि कयास को बल मिल रहा है।

कमलनाथ की नाराजगी

उनके बेटे नकुल नाथ, जिन्होंने हाल ही में पॉकेट बोरो छिंदवाड़ा से अपनी उम्मीदवारी की एकतरफा घोषणा की है, ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से %कांग्रेस% शब्द हटा दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे के तौर पर देखे जाने वाले कमलनाथ का कांग्रेस से मोहभंग कैसे हो रहा है? कमलनाथ के करीबी सज्जन सिंह वर्मा ने संकेत दिया कि उनके बॉस का अपमान किया गया है. एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नेता के आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि राजनीति में तीन चीजें काम करती हैं- मान, अपमान और स्वाभिमान, जब इन पर चोट लगती है तो इंसान अपने फैसले बदल लेता है...जब ऐसा शीर्ष राजनेता जिसने पिछले 45 साल में कांग्रेस और देश के लिए बहुत कुछ किया हो, आगे बढ़ने की सोचता है अपनी पार्टी से दूर हैं तो इसके पीछे ये तीन फैक्टर काम करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस आलाकमान द्वारा मध्य प्रदेश चुनाव में पार्टी की हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद से ही कमलनाथ भाजपा नेताओं के संपर्क में थे। उन्हें मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया और राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता भी नहीं बनाया गया। राज्यसभा उम्मीदवारी के लिए अशोक सिंह के नाम की घोषणा से भी कमलनाथ नाराज थे। सिंह को दिग्विजय सिंह का वफादार माना जाता है। कमलनाथ को राज्यसभा की चाहत थी।

बेटे का करियर

कमलनाथ की नाराजगी की एक और वजह बताई जा रही है। कमलनाथ अब 78 साल के हो गए हैं। वह राजनीति में कितने वर्षों तक सक्रिय रहेंगे, इसको लेकर भी सवाल है। फिलहाल भाजपा कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को लेकर काफी एग्रेसिव है। छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुलनाथ सांसद हैं। छिंदवाड़ा में कमलनाथ का घेराव करने के लिए कैलाश विजयवर्गीय जैसे बड़े नेता को भाजपा ने प्रभार दे दिया है। 2023 के विधानसभा चुनाव में छिंदवाड़ा के सात सीटों पर कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस को जीत तो मिल गई लेकिन अंतर बहुत कम हो गया। ऐसे में कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के भविष्य को लेकर चिंतित है। कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को देखते हुए वह अपने बेटे को भाजपा में सेट करने की कोशिश में हैं। इससे उनका गढ़ छिंदवाड़ा का किला भी बच जाएगा और नकुलनाथ के लिए आगे की राजनीति आसान भी रह सकती हैं।

कमलनाथ को गांधी नेहरू परिवार का काफी करीबी बताया जाता है। कमलनाथ राजनीति में संजय गांधी के साथ ही आए थे। संजय गांधी और कमलनाथ दोनों बचपन के दोस्त थे और दून स्कूल में साथ में पढ़ाई की थी। संजय गांधी की दोस्ती के कारण ही उन्होंने 1968 में राजनीति की शुरुआत की। आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने युवाओं की जो टीम बनाई थी उसमें कमलनाथ का भी बड़ा रोल था। कानपुर के होने के बावजूद भी कमलनाथ ने छिंदवाड़ा से चुनाव जीता। यह इंदिरा गांधी का ही भरोसा था। उन्होंने छिंदवाड़ा में प्रचार के दौरान ही राजीव गांधी और संजय गांधी के बाद कमलनाथ को अपना तीसरा बेटा बताया था। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने कमलनाथ को इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा कहकर शांत करने की कोशिश की। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमलनाथ को अपना तीसरा बेटा बताया था और उन अटकलों को खारिज कर दिया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों और जवानों के बीच एनकाउंटर

आईईडी समेत कई मॉर्डन हथियार जब्त

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा में नक्सलियों और जवानों के बीच 16 फरवरी शुक्रवार को एनकाउंटर हुआ। नक्सल विरोधी अभियान पर निकली सुरक्षाबलों की टीम पर नक्सलियों ने रामपुर गांव के पास हमला कर दिया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान जवानों को भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक घटना स्थल पर मिले। सुरक्षाबल के जवानों ने अपनी सूझबूझ से नक्सलियों के नापाक इरादों पर पानी फेर दिया।

जंगल के रास्ते भाग गए नक्सली

दरअसल, शुक्रवार 16 फरवरी को दंतेवाड़ा जिले के रामपुर गांव के पास नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद जवानों ने घटनास्थल से नक्सली सामान बरामद किया है। बताया जा रहा है कि 15 फरवरी को सुरक्षाबल के जवानों को रामपुर गांव के पास दरभा डिवीजन और पश्चिम बस्तर डिवीजन में नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद बस्तर फाइटर्स, सीआरपीएफ 230, यंग प्लाटून और डीआरजी के जवान मौके पर रवाना हुए। इसके बाद नक्सलियों और जवानों में मुठभेड़ हुई। खुद पर भारी पड़ता देख नक्सली जंगल के रास्ते भाग गए।

भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

इसके बाद जवानों ने इलाके में सर्चिंग

अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान जवानों ने घटनास्थल से 2 बंदूक,1 क्लेमोर बम, 2 बीजीएल सेल, 3 टिफिन बम, इलेक्ट्रॉनिक वायर, डेटोनेटर, नक्सली वर्दी और दस्तावेज बरामद किया।

इसके साथ ही बीजापुर के गुण्डम कैम्प से डीआरजी, एसटीएफ, सीआरपीएफ153 और कोबरा 210 की टीम एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। सर्चिंग के दौरान जवानों ने 5-5 किलो के तीन आईईडी बरामद किए। इनमें दो प्रेशर आईईडी और 1 एंटी हैंडलिंग आईईडी शामिल है। इसके साथ ही जवानों के इलेक्ट्रिक वायर, डेटोनेटर सहित अन्य विस्फोटक सामग्री के साथ नक्सली वर्दी और दस्तावेज मौके पर मिले।

राजस्व शिविरों को ग्रामीणों का मिला अच्छा प्रतिसाद

बिलासपुर। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविरों में विभिन्न कामों और सेवाओं से संबंधित 37,660 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 11,915 आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न कामों के हैं। अन्य विभागीय सेवाओं से संबंधित 25 हजार 745 कार्यों के लिए अर्जियां भी शिविर में प्राप्त हुई। अधिकांश मामलों का निराकरण मौके पर ही कर लिया गया। बचे प्रकरणों के निराकरण के लिए समय सीमा दी गई।

कलेक्टर अवनीश शरण के मार्गदर्शन और नेतृत्व में विगत 1 से 15 फरवरी तक राजस्व पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान दूरदराज के ग्रामों में 224 शिविर आयोजित किए गए। शिविर को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला। लोग उत्साह के साथ शिविरों में पहुंचकर अपने जरूरत के काम सुगमता से करा पाए। विकसित भारत यात्रा की तर्ज पर इन शिविरों में विभिन्न सेवाओं के लिए छुटे हुए पात्र लोगों से आवेदन भी भराए गए।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत काम शुरू

भिलाई। केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भिलाई पावर हाउस स्टेशन का अब जल्द कायाकल्प होने वाला है। इसके लिए काम शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को भिलाई नगर निगम की टीम पुलिस और रेलवे के अधिकारी पहुंचे और की ठेलो और गुमटियों को वहां से हटाया।

पावर हाउस रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और विस्तारीकरण के लिए रेलवे प्रशासन ने निगम को स्टेशन के आसपास अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई करने पत्र सौंपा था। जिस पर निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने काम शुरू किया। जोन-3 कार्यालय की तरफ से स्टेशन गेट पर लगे दुकानदारों को नोटिस देकर खुद की कब्जा हटाने को कहा गया। नोटिस की समय सीमा खत्म होने पर जोन-3 का राजस्व अमला पुलिस और रेलवे के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचा और कार्रवाई शुरू की। निगम ने सबसे पहले अवैध रूप से चल रहे साइकिल स्टेंड पर कार्रवाई की और बनाया गया घेरा और कमरे को ध्वस्त किया। ये सब देखकर ठेला और गुमटी संचालक खुद ब खुद अपनी दुकान हटाने लग गए।

तहसीलदार गुरूदत्त पंचभाई ने कहा पावर हाउस रेलवे स्टेशन से जीई रोड की तरफ स्टेशन पहुंचने के रास्ते में अवैध रूप से कई ठेले, गुमटी, टीन टप्पर से दुकान बनाकर लगा दिया गया है। इस पर कार्रवाई करते हुए 14 दुकानों को हटाया गया। व्यवस्थापन के लिए नगर निगम ने व्यवसायियों से बात की है। इससे उनका भी फायदा होगा इसलिए व्यवसायी अपनी सहमति से काम से सहयोग दे रहे हैं।

क्या है अमृत भारत स्टेशन योजना- अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश के रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। पहले फेज में 508 स्टेशनों को चुना गया। जिन्हें री डेवलेप कर हाईटेक बनाया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन को स्मार्ट बनाकर शहर का विकास करने का लक्ष्य सरकार ने बनाया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों में हर वो सुविधा होगी जो शहरवासियों को चाहिए।चाहे वो जरुरत का सामान हो या फिर घूमने लायक जगह।स्टेशनों को विकसित करके सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 12 जजों को प्रमोशन देकर बनाया डिस्ट्रिक्ट जज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश भर के 12 जजों को जिला जज के पद पर प्रमोशन देकर उन्हें जिला जज बनाया है। हाई कोर्ट के निर्देशानुसार रजिस्टर्ड जनरल ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जारी की गई सूची में कई जिलों के जज है, जिनमें सभी को जिला जज बनाया गया है।

12 जज बने डिस्ट्रिक्ट जज- रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय से जारी सूची में शैलेश कुमार तिवारी स्पेशल जज एट्रोसिटी दुर्ग, कुमारी सरोज नंददास एडीजे बालोद, संतोष कुमार आदित्य ज्यूडिशियल एडिशनल प्रिंसिपल जज परिवार न्यायालय रायपुर, संजीव कुमार टामक एडीजे दुर्ग, खिलावन राम गिरी अतिरिक्त रजिस्टर हाई कोर्ट बिलासपुर, कुमारी संघमित्रा भट्टपहारी जगदलपुर, जयदीप गर्ग रायपुर, थॉमस एक्का स्पेशल जज एट्रोसिटी राजनांदगांव देवेंद्र नाथ भगत अंबिकापुर संतोष कुमार तिवारी परिवार न्यायालय दंतेवाड़ा न्यायाधीश, शैलेश कुमार केटरप रजिस्टर ऑर्बिटेशन ट्रिब्यूनल रायपुर और प्रफुल्ल कुमार सोनवानी एडीजे बलरामपुर रामानुजगंज के नाम शामिल है। इन सब को जिला व सत्र न्यायाधीश के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

सूझबूझ न्याय और अच्छा काम करने पर प्रमोशन- प्रमोशन किए गए सभी जल अलग अलग शाखा के जज रहे हैं। जिला न्यायालय में अपनी सेवा से आम जनता को न्याय देने का काम कर रहे थे। उनके अच्छे काम और सूझबूझ और न्याय संगत न्याय देने के हुनर को देखते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और रजिस्ट्रार जनरल ने इन्हें पदोन्नति देते हुए जिला जज नियुक्त किया है।

यह जज अब जिले में जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर अपनी सेवा देंगे और आम जनता को उनके हक और न्याय के साथ ही उन्हें संविधान से मिले अधिकार का उपयोग कर न्याय पाने में मदद करेंगे।

पेंड्रा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन सरकारी कर्मचारी घोषित करने की मांग

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द उन्हें शासकीय कर्मचारी घोषित करने की मांग की। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष के साथ ही तीनो ब्लॉक की अध्यक्ष और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका शामिल हुई।

मांगों के लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन- आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया। इन आठ सूत्रीय मांगों में शासकीय कर्मचारी घोषित करने की मांग, मानदेय में बढ़ोतरी, शिक्षाकर्मियों के बराबर वेतन देने, पेंशन, ग्रेज्यूटी नियमित करने, सहायिकाओं की नियमित भर्ती सहित 8 मांगों को लेकर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार व केंद्र सरकार के नाम स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने मांगें जल्द से जल्द पूरा नहीं होने पर आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शाइस्ता परवीन ने कहा हमारी 8 सूत्रीय मांग है। पिछली सरकार में 43 दिन धरने पर बैठे और हमारी कुछ मांगे पूरी हुई लेकिन प्रमुख मांगे अब भी पूरी नहीं हुई है। सरकार जल्द से जल्द हमारी मांगों पर ध्यान दें और उन्हें पूरा करें।

तहसीलदार सोनू अग्रवाल ने कहा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया है। कलेक्टर के पास भेजा जाएगा।

अब देखना होगा कि सरकार इन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को पूरी करती है या फिर उन्हें इंतजार करना पड़ेगा। इससे पहले भूपेश सरकार के कार्यकाल में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और हड़ताल की थी। जिसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कुछ मांगें पूरी हुई।

निरीक्षण के दौरान नदारद मिली प्रधान पाठिका और 6 शिक्षक

संभाग कमिश्नर ने किया सस्पेंड

दुर्ग। जिले में संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने बड़ी कार्रवाई की है। संभाग कमिश्नर राठौर ने औचक निरीक्षण के दौरान नदारद मिले प्रधान पाठिका और शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई दुर्ग के महात्मा गांधी शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय की प्रधान पाठिका शायना परवीन और 6 महिला शिक्षकों पर की गई।

शहर के सर्राफा व्यापारी महावीर जैन की शिकायत पर संभाग कमिश्नर निरीक्षण करने पहुंचे थे। साथ ही दुर्ग के जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल और ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर गोविंद साव को शो कॉस नोटिस थमाया गया है। इसमें पूछा गया है कि अब तक इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने बताया कि दुर्ग निवासी महावीर जैन ने उनके पास लिखित शिकायत की थी कि महात्मा गांधी शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में वहां की प्रधान पाठिका और शिक्षकों की ओर से बड़ी लापरवाही बरती जा रही है। वहां स्कूल में दर्ज छात्रों की संख्या के अनुपात में काफी अधिक शिक्षक है। इसका फायदा उठाकर प्रधान पाठिका शायना परवीन खान और कई शिक्षक बहुत-बहुत दिनों तक स्कूल नहीं आते हैं।

साथ ही दोनों अधिकारी और ऑफिसर पर 20-20 हजार रुपये लेकर प्रधान पाठिका और शिक्षकों पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया था। इसके बाद कमिश्नर और डिप्टी कमिश्नर दुर्ग संभाग, संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग को मिलाकर एक ज्वाइंट टीम गठित की गई। दोनों अधिकारियों की टीम ने महात्मा गांधी शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जंगल गए अधेड़ पर आदमखोर भालू का हमला

बालोद। जंगल गए एक अधेड़ पर भालू ने हमला कर दिया। भालू ने अधेड़ की एक आंख निकाल दी। जिससे शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। ये घटना गुरुर वन परिक्षेत्र के हितेकसा गांव की है। घायल को वन विभाग की गाड़ी से गुरुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इलाज के बाद मरीज को जिला अस्पताल धमतरी रेफर कर दिया गया है। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक अधेड़ गांव के आस पास ही घूमता रहता था। वो गांव से लगे जंगल की तरफ देर शाम को गया हुआ था। जहां भालू ने अधेड़ पर हमला कर दिया। जिससे अधेड़ गम्भीर रूप से घायल हो गया। भालू ने अधेड़ के चेहरे को बुरी तरह से नोच दिया। साथ ही उसकी एक आंख भी भालू ने नोच कर निकाल ली थी। ग्रामीणों को जैसे ही सूचना मिली तो जंगल से अधेड़ को गांव लाया गया और वन विभाग को सूचना दी गई। जैसे ही वन विभाग को सूचना मिली मौके पर पहुंची टीम अपनी गाड़ी से ही घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई।

अंबिकापुर में लग्जरी कार में बकरा चोरी

सरगुजा। लुंड्रा विकासखंड के रघुनाथपुर में एक बकरे का अपहरण कर लिया गया। बकरे का नाम शेरू है। उसका अपहरण करने वाले एक बड़ी लग्जरी गाड़ी में आए और उसे उठाकर ले गए। बकरे की किडनैपिंग की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बकरे के मालिक का नाम सुरेश गुप्ता है। 8 फरवरी को उन्होंने रघुनाथपुर चौकी में शेरू की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। दर्ज रिपोर्ट में बताया गया है कि 8 फरवरी गुरुवार को सुबह कार में एक आदमी आया और गाड़ी में बकरे को बैठाकर चला गया। थाने में चोरी का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया गया है। बकरा मालिक सुरेश गुप्ता ने कहा मैंने उस बकरे को ये समझकर पाला था कि हर बकरा कटता मैं इसे कटने नही दूंगा। उसका अचार विचार भी इंसानों जैसा था, जो कोई भी मेरे घर आता था वो पहले उससे हाथ मिलाता था। हमने उसे बहुत प्यार से पाला है। सुरेश गुप्ता ने रघुनाथपुर पुलिस पर मामले की जांच ठीक से नहीं करने का आरोप लगाया। गुप्ता का कहना है कि अंबिकापुर के बनारस चौक तक शेरू की लोकेशन मिली।

मोबाइल के शौक ने बनाया किडनैपर

सूरजपुर। आपने अपहरण के कई मामले सुने होंगे, लेकिन सूरजपुर की ये घटना आपको भी हैरान कर देगी। यहां एक लड़के ने अपने शौक को पूरा करने के लिए खुद के अपहरण की साजिश रच डाली। इतना ही नहीं लड़के ने फिरौती के लिए 50 हजार रुपये की डिमांड अपने माता पिता से कर दी। हालांकि लोकेशन ट्रेस करने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ। दरअसल, ये पूरा मामला सूरजपुर जिले के प्रतापपुर का है। यहां महंगे फोन का शौक पूरा करने के लिए एक लड़के ने अपने ही अपहरण की साजिश रच डाली। लड़के ने अपने ही फोन से किडनैपर बनकर फोन करवाया और अपने फोन पे पर पैसा देने का दवाब अपने माता-पिता पर बनाया। इधर बच्चे के अपहरण की बात सुनकर लड़के के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। पुलिस ने फिरौती मांगे जाने वाले नंबर को ट्रैस किया। नंबर वाले लोकेशन पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने लड़के को मौके से पकड़ा। पूछताछ में लड़के ने सारी बातें बता दी।

दूरस्थ अंचल के बसाहटों तक पहुंची शुद्ध पेयजल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं पहुंच विहीन दुर्गम स्थानों में स्थित ग्रामों में अब लोगों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल मिल रहा है। केन्द्र सरकार के जल जीवन मिशन से अब ग्रामीणों को अन्य स्त्रोतों का पानी नहीं पीना पड़ता। शुद्ध पेयजल मिलने से ग्रामीण खुश है। नारायणपुर जिले के विभिन्न ग्रामों तक जल जीवन मिशन के तहत् दूरस्थ अंचल के बसाहटों तक पहुंची शुद्ध पेयजल पहुंच रही है। नारायणपुर जिले के पहुंच विहीन ग्रामों तक टेपनल के माध्यम से ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसमें अधिकांश गांव घने जंगल, पहाड़, नदी, नालों, दुर्गम रास्तौं से घिरे हुए हैं। ऐसे में जल जीवन मिशन के तहत् सभी बसाहटों में पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य राज्य शासन द्वारा प्राथमिकता से किया जा रहा है। हर घर नल-जल योजना से प्रत्येक ग्रामीण परिवारो को 24 घंटे शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत 439 घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल दिया जा रहा है। पहले हैंण्डपंप से पानी भरने में समस्या होती थी।

पुलिस ने गांजा, शराब और नशीली टेबलेट बरामद किया

कोरबा। दूसरे दिन भी कोरबा पुलिस की अवैध कारोबार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी से 3200 नग नशीली टेबलेट जब्त की है। वहीं कोरबा पुलिस ने अवैध शराब मामले पर कार्रवाई करते हुए सात प्रकरणों में कुल 68 लीटर शराब जब्त की है और सात लोगों को जेल भेजा है। पुलिस ने अवैध कबाड़ के खिलाफ एक मामले में 7.5 क्विंटल किरण साहू - कुसमुण्डा कबाड़ जब्त किया है। एक महिला को भी अवैध गांजा के सौदागरों से 11 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस की माने तो काफी लंबे समय से राममति उर्फ गुड्डी बाई- दीपका निवासी महिला पुड़िया बनाकर गांजा बेच रही थी। जहां मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर लगातार पुलिस के द्वारा अवैध कारोबार पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की माने तो अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा, शराब, नशीली पदार्थ और डीजल के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों की ली बैठक

- **महतारी वंदन योजना, सुड़क सुरक्षा एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में जेल में बंदियों की स्थिति के संबंध में जानकारी ली**

राजनांदगांव। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से महतारी वंदन योजना, सड़क सुरक्षा एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में जेल में बंदियों की स्थिति के संबंध में कलेक्टर्स की बैठक ली। इस दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने महतारी वंदन योजना के प्राप्त आवेदनों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आवेदनों का अच्छे से परीक्षण कराएं। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने से कोई भी पात्र हितग्राही नहीं छूटना चाहिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने मौजूदा जेलों की वर्तमान क्षमता तथा अतिरिक्त जेलों की आवश्यकता का आंकलन कर मौजूदा जेलों के विस्तार एवं नवीन जेलों की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित निर्माणाधीन कार्य शीघ्र पूर्ण करने कहा। उन्होंने कलेक्टर्स को इसके संबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री

जैन ने जिलों में सड़क सुरक्षा के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह सड़क सुरक्षा के संबंध में जिला स्तरीय बैठक आयोजित करें। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करने कहा। उन्होंने जिलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित करने कहा। जिसमें जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं विकास विभाग श्रीमती गुरूप्रीत कौर, उप संचालक पंचायत श्री देवेन्द्र कौशिक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएसपी में 17 अधिकारियों का बदला डिपार्टमेंट

भिलाई। बीएसपी में लंबे समय से एक डिपार्टमेंट में जमे अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। शॉप, इंफोर्समेंट, हाउसिंग सेक्शन में डटे 17 कर्मचारियों का कार्यक्षेत्र बदला गया है। ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर तत्काल प्रभाव से इसे लागू कर दिया गया है।

पर्सनल डिपार्टमेंट की एजीएम जीएमवी पद्मिनी कुमार की ओर से ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया गया है। हाउसिंग सेक्शन के सीनियर टेक्नीशियन रमाकांत यादव का इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट में तबादला किया गया है। हाउसिंग सेक्शन के हेमवंती कुमार का रेवेन्यू, हाउसिंग जूनियर स्टाफ असिस्टेंट लूसिया शर्मा का रेवेन्यू डिपार्टमेंट में ट्रांसफर किया गया है। हाउसिंग जूनियर स्टाफ असिस्टेंट सोमेन चक्रवर्ती का शॉप सेक्शन में तबादला किया गया है। हाउसिंग स्टाफ अटेंडेंट पंचबाई का ट्रांसफर जीएम इंचार्ज टीएसडी ऑफिस में किया गया है।

रेवेंयू सेक्शन ऑफिसर सुलेखा नायक का ट्रांसफर हाउसिंग सेक्शन में किया गया है। रेवेन्यू जूनियर स्टाफ असिस्टेंट हीरामणि का हाउसिंग सेक्शन में ट्रांसफर किया गया है। इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट के जूनियर स्टेट इंस्पेक्टर मोहम्मद असलम खान को हाउसिंग सेक्शन भेजा गया है।

इस विभाग के अटेंडेंट राजू लाल को शॉप सेक्शन, इंफोर्समेंट टेक्नीशियन जानकी रमैया को शॉप सेक्शन, इंफोर्समेंट अटेंडेंट राम का पीएचई, सीनियर टेक्नीशियन श्रीकांत का तबादला भी पीएचई किया गया है।इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट के सीनियर टेक्नीशियन भगवान का रेवेंयू, शॉप सेक्शन के सीनियर स्टाफ असिस्टेंट कौशल कुमार का इंफोर्समेंट, शॉप जूनियर स्टाफ असिस्टेंट विजय बहादुर का इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट में ट्रांसफर किया गया है। शॉप सेक्शन के टेक्नीशियन नीरज बाली अब इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट में कामकाज करेंगे। को-ऑर्डिनेशन जूनियर स्टेट इंस्पेक्टर भूपेश कुमार धोते का तबादला जीएम इंचार्ज टीएसडी ऑफिस में किया गया है।

न्योता भोज का शुभारंभ रायपुर से, कलेक्टर ने अपने हाथों से बच्चों को भोजन परोस मनाया अपना जन्मदिन

बच्चे खिल उठे, कहा थैंक्यू पीएम सर, थैंक्य सीएम सर और थैंक्य कलेक्टर सर- सोहर गीत गाकर श्रीमती साहू ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

रायपुर। हमारे संस्कृत सुभाषित वाक्यों में शुभस्य शीघ्रम की बात कही जाती है अर्थात शुभ कार्य में शीघ्रता की जानी चाहिए। कल ही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने न्योता भोजन के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे कि अपने जन्मदिन पर स्कूली बच्चों के साथ समय बताएं। उनके साथ भोजन करें। इस शुभ कार्य के लिए शीघ्रता से पहल करते हुए कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शासकीय नवीन प्राथमिक शाला धरमपुरा के स्कूली बच्चों को न्योता भोज दिया। डॉ गौरव सिंह आज सुबह सपरिवार स्कूल पहुंचे सबसे पहले सरस्वती माता का वंदन किया। उसके बाद वे बच्चों के बीच पहुंचे और उन्हे पंगत में बैठाया और वन बाई वन थाली लगाई। उसके बाद पूडी, सब्जी, दाल, चावल और खीर परोसा, यहीं नही वे बच्चों के पास जाते रहे और उनकी पसंद पूछकर व्यंजन को फिर से परोसा और अंत में बच्चों को केक खिलाया। उनके साथ एसपी श्री संतोष सिंह, डीएफओ श्री विश्वेश्वर राय, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा और जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप ने भी भोजन परोसा। साथ ही कलेक्टर ने इन स्कूली बच्चों के बीच बैठ पत्नी डॉ सुनिता सिंह और दोनो बच्चे आद्या सिंह और अक्षरा सिंह के साथ भोजन किया। भोजन करते समय बच्चों के चेहरे पर खुशियां झलक रही थी, वे खिल उठे और प्यार से कलेक्टर के पास जाकर उपहार स्वरूप पुष्प दिया। यहीं नही उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल और कलेक्टर को थैंक यू कहा। साथ ही उन्होंने उत्साहित होकर कलेक्टर बनने की भी इच्छा जाहिर की। इस खुशी के क्षण में श्रीमती बूंदा बाई साहू ने सोहर गीत गाकर कलेक्टर को जन्मदिन की बधाई दी। श्रीमती साहू सरस्वती महिला समूह की अध्यक्ष है वह जब से मध्याह्न भोजन योजना शुरू हुई है तब से स्कूल में भोजन आपूर्ति कर रही है। कलेक्टर ने अधिकारीगण और आम नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के महत्वपूर्ण दिन क्षण इत्यादि को स्कूल के बच्चों के साथ मनाएं। उन्हें इसी प्रकार से न्योता भोज दें। उन्हें इस प्रकार का भोजन करा सकते है या उनके भोजन में पौष्टिक भोज्य पदार्थ शामिल कर सकते है। यदि कोई इच्छुक हो तो हमसे संपर्क करें हम हर महीने में उनका पंजीयन कर एक सिस्टम बना देंगे, उन्हें बच्चों के साथ अपनी खुशी बाटने का मौका मिलेगा और हम उन्हें सम्मानित भी करेंगे। यह प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर यह आयोजन किया गया। सामुदायिक सहयोग से स्कूली बच्चों के खानपान में पोषण आहार की मात्रा बढ़ाने न्यौता भोजन की अभिनव पहल की जा रही है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

125 आवेदनो में से 72 आवेदनो का स्थल में हुआ निराकरण

रायपुर। जिस मूलनिवास प्रमाण पत्र, नामांतरण, ऋण पुस्तिका के लिए हफ्ते भर का समय लगता है, लेकिन आज वह घण्टे भर में बन गए और हितग्राहियों को हाथों में तत्काल मिल गए। यह नजारा था कलेक्टोरेट परिसर का। जहां आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसके पूर्व में तहसील एवं राजस्व मंडंल स्तर पर भी शिविर का आयोजन किया गया था। आज शिविर में संभागायुक्त डॉ संजय अलंग और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आम नागरिकों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी। कुछ समस्याओं का मौके पर निराकरण हुआ। कुछ के लिए समय सीमा निश्चित कर समाधान करने की कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए। शिविर में आवेदको द्वारा नामांतरण के संबंध में 31 आवेदन प्राप्त हुये थे जिसमें स्थल पर 22 आवेदनों का निराकरण किया गया, शेष प्रक्रियाधीन है। खाता विभाजन के कुल 02 आवेदन प्राप्त हुये थे जिसमें प्रकरण दर्ज किया गया। सीमांकन के 05 आवेदन में से 03 आवेदनों का निराकरण स्थल पर किया गया, शेष प्रक्रियाधीन है। किसान-किताब के 08 आवेदन प्राप्त हुये सभी आवेदनो का निराकरण स्थल पर किया गया। जाति/आय/निवास प्रमाण पत्र के 19 आवेदन प्राप्त हुये सभी आवेदनो का निराकरण स्थल पर किया गया। राजस्व संबंधी अन्य आवेदनो की कुल 48 आवेदनों में 18 आवेदन का निराकरण स्थल पर किया गया शेष प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार कुल 125 आवेदनो में से 72 आवेदनो का स्थल में निराकरण किया गया शेष आवेदनों को शीघ्र निराकरण किये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों का निर्देशित किया गया। शिविर में सभी तहसीलों के राजस्व अमला मौजूद था। कलेक्टर सभी तहसीलों के टेबल पर गए उनके आवेदन की स्थिति जानी और आवेदकों से भी बात की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने राजस्व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों से संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करें। जो समस्या जल्द निराकृत हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री के आने से पहले छत्तीसगढ़ आने वाले हैं अमित शाह!

रायपुर। लोकसभा चुनाव करीब है। इसी बीच खबर है कि जल्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आने वाले हैं। लेकिन उनके आने से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ आने की चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 22 फरवरी को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। उनकी मौजूदगी में क्लस्टर स्तरीय सभा, प्रबुद्धजनों की संगोष्ठी और बैठकें होंगी। चर्चा इस बात की भी है कि 20 फरवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी आ सकते हैं, हालांकि प्रदेश भाजपा ने अभी कोई अधिकृत सूचना जारी नहीं की है। भाजपा सूत्रों का कहना हैं कि अमित शाह का 22 फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरा लगभग तय हो गया है। आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ दौरा संभावित है। बताया जा रहा है कि आठ मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन भाजपा सरकार के महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह देने की शुरूआत कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के राज्य प्रशासनिक अधिकारियों का ट्रांसफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अधिकारियों के तबादले का दौर जारी है। इसी क्रम में 9 राज्य प्रशासनिक अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डीडी सिंह ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, कांकेर के संयुक्त कलेक्टर मनीष मिश्रा को अब रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं बेमेतरा संयुक्त कलेक्टर उमाशंकर बन्दे और महेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा को भी रायपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

छत्तीसगढ़ धरोहर रत्न सम्मान से विजय मिश्रा, मुरली मनोहर, जयप्रकाश- शैल शर्मा, योगेश नैय्यर विभूषित

रायपुर। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था और स्व सहायता समूह उरला के बैनर तले साहित्य- संस्कृति कर्मियों का सम्मान किया गया। वृंदावन हॉल में आयोजित समारोह में मुरली मनोहर खंडेलवाल, जयप्रकाश शर्मा विजय मिश्रा अमित, शैल शर्मा योगेश नैय्यर सम्मानित हुए। छत्तीसगढ़ धरोहर रत्न सम्मान से विभूषित उक्त रंग कर्मियों, साहित्यकारों ने छत्तीसगढ़ के कला जगत और साहित्य जगत के उत्थान में अपनी दीर्घकालीन सेवाएं दी हैं। समारोह में रुपाली संस्था, स्व सहायता समूह के पदाधिकारियों, वरिष्ठ लोकगायिका रमा जोशी बहनों,कलाकारों-लेखकों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित प्रबुद्धजनों ने शुभकामनाएं दीं।

रायपुर ब्रांच ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया का चुनाव हुआ संपन्न

रायपुर। आज देश भर की सबसे प्रतिष्ठ ब्रांच

में से एक रायपुर ब्रांच ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया के चुनाव हुए। वर्ष 2023-24 के लिए चुनाव हुए जिसने सर्व सहमति से सीए धवल शाह अध्यक्ष, सीए विकास गोलछा उपाध्यक्ष, सीए रश्मी वर्मा सचिव, सीए गोपाल अग्रवाल कोषाध्यक्ष , सीए रवि जैन सिकासा चेयरमैन, सीए अमिताभ दूबे, सीए रवि ग्वालानी कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। बता दें कि सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के अध्यक्ष सीए किशोर बरडिया के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस चुनाव में सभी ने मिलकर रायपुर ब्रांच और सीए प्रोफेशन के लिए देशभर में नए कीर्तिमान रचने का संकल्प लिया। इसके साथ ही पूरे देश में सबसे सुंदर रायपुर ब्रांच का नया भवन बनाने का रोड मैप तैयार किया गया।

भिलाई सुंदर विहार कॉलोनी में सड़क के लिए अनोखा विरोध प्रदर्शन

भिलाई। भिलाई के सुंदर विहार कॉलोनी में 22 साल बाद भी पहुंच मार्ग न बनने से स्थानीय लोग परेशान हैं। सालों से ये लोग प्रशासन से मार्ग बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि इनकी सुनने वाला कोई नहीं है। पिछले 22 सालों में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन भिलाई सुंदर विहार कॉलोनी में पहुंच मार्ग नहीं बन पाया। यही कारण है कि परेशान स्थानीय लोगों ने शनिवार को कॉलोनी में सदबुद्धि यज्ञ किया।

दरअसल, सालों से पहुंच मार्ग न बनने से स्थानीय लोग परेशान हैं। शनिवार को कॉलोनी के सामने स्थानीय लोगों ने गोबर से लिपाई की। इसके बाद स्थानीय महिलाओं ने मुख्यमंत्री, कलेक्टर, महापौर और आयुक्त की फोटो रखकर सद्बुद्धि यज्ञ किया। स्थानीय लोगों की मानें तो आंदोलनकारियों ने ऐलान किया है कि यदि जिला और निगम प्रशासन ने जल्द मामले में संज्ञान नहीं लिया तो सोमवार से आंदोलन करेंगे। आने वाले समय में ये आंदोलन और भी उग्र होगा। इस पूरे मामले में विधायक का कहना है कि, सड़क निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया फिर से की जाएगी। नगर विधानसभा में कुरुद के पास सुंदर विहार कॉलोनी है। यह कॉलोनी 22 साल पुरानी है। आज तक इस कॉलोनी में सड़क का निर्माण नहीं किया गया। आज भी यहां के लोग कच्ची सड़क पर चलने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में यहां कच्ची सड़क बेहद जानलेवा हो जाती है। बीते साल बरसात के दिनों में लोगों ने विरोध जताने के लिए इस कच्ची सड़क पर धान की रोपाई की थी।

स्थानीय लोगों का इस बारे में कहना है कि, बीते बुधवार से वार्ड 22 सुंदर विहार कॉलोनी के लोगों ने सड़क के लिए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया है। शुक्रवार को धरना प्रदर्शन के तीसरे दिन महिलाओं ने सुंदर विहार के पास से गुजरने वाली मुख्य सड़क की गोबर से लिपाई की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महापौर नीरज पाल, जिला कलेक्टर और निगम आयुक्त की तस्वीर सामने रख सद्बुद्धि यज्ञ किया। बता दें कि स्थानीय लोगों ने जल्द मामले में संज्ञान न लेने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

बैगा परिवारों का पक्का मकान का सपना हो रहा साकार

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने शुरू की गई प्रधानमंत्री जनमन योजना का छत्तीसगढ़ में तेजी से क्रियान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले में इस योजना के तहत बैगा परिवारों के लिए 3 हजार 554 आवासों की स्वीकृति दी गई है, इनमें से 2 हजार 996 पक्के आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रूप में 11 करोड़ 98 लाख रूपए जारी कर दी गयी है।

कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला में 179 और पंडरिया के 77 गांवों में बैगा परिवारों की बाहुलता है। इन परिवारों के लिए बोड़ला विकासखण्ड में 2081 और पंडरिया विकासखण्ड में 1474 आवासों की स्वीकृति दी गई है। बैगा परिवारों को प्रथम चरण में 2996 आवासों आवास

निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 40-40 हजार रूपए की राशि जारी की गई है। इसके अलावा योजना में इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। जिससे विशेष पिछड़ी जनजाति के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार आएगा।

योजना के तहत कबीरधाम जिले में पक्का मकान बनाने वाले श्री अंतराम बैगा को बीते दिनों श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री अंतराम बैगा विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति परिवार से है। वह ऐसे पहले हितग्राही है, जिन्होंने पक्का आवास बनाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि पक्का मकान बनाने के लिए दस कॉलम खड़े कर लिए है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बैगा परिवारों को आवास निर्माण के लिए 2 लाख रूपए की राशि 4 किस्तों में दी जाएगी। पहली किस्त आवास शुरू करने के लिए 40 हजार रूपए, दूसरी किस्त लेंटर स्तर पर होने पर 60 हजार रूपए, तीसरी किस्त रूफ टॉप के निर्माण पर 80 हजार रूपए और आवास पूरा होने पर 20 हजार रूपए दी जाएगी। इसके अलावा महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 95 दिनों का मजदूरी का भुगतान किया जाएगा।

राजधानी में 19 को होगा जॉब फेयर का आयोजन

■ 70 से अधिक पदों पर की जाएगी भर्ती

रायपुर। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के पास नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 फ़रवरी 2024 को पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर स्थित रोजगार कार्यालय में सुबह 11 से दोपहर 02 बजे तक जॉब फेयर आयोजित किया जाएगा।

इस जॉब फेयर में निजी क्षेत्र के नियोजक क्रेडिट एक्सेस लिमिटेड, सारडा एनर्जी एण्ड मिनरल्स लिमिटेड एवं शुभ मल्टीस्पेशियालिटी हास्पिटल, रायपुर द्वारा ट्रेनी केन्द्र मैनेजर, मोल्ड ऑपरेटर, क्रेन ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, पर्चेस ऑफिसर, नर्सिंग स्टॉफ, फार्मासिस्ट, ड्रेस एवं ओ0टी0 टेक्निशियन आदि के 70 से अधिक पदों पर 12वीं से स्नातकोत्तर एवं बी।एस।सी। नर्सिंग तथा आई0टी0आई0/ डिप्लोमा आदि उत्तीर्ण योग्य आवेदकों की भर्ती 10 हजार से 45 हजार रूपये प्रतिमाह के वेतनमान पर की जाएगी।

इस जॉब फेयर में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने बॉयोडाटा /आधार कार्ड एवं शेक्षणिक, तकनीकी योग्यता अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में ठंड का असर गायब

धीरे-धीरे बढ़ रही गर्मी, 4 दिनों तक तापमान में नहीं होगा बदलाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम बदल रहा है। प्रदेश में दिन और रात का तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। अब धूप भी तेज होने लगी है। ऐसे में लगभग ठंड का असर खत्म हो चुकी है। हालांकि सरगुजा संभाग में ठंड का असर बरकरार है। प्रदेश में कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसे ही बने रहने की संभावना है। आने वाले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। आज शनिवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में आगामी पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद तापमान में बदलाव हो सकता है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि एक द्रोणिका उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से उत्तरी तेलंगाना और दक्षिण विदर्भ होते हुए छत्तीसगढ़ के मध्य भागों तक औसत टल से 0.9 किमी की ऊंचाई पर बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अचानक मौसम में बदलाव हो रहा है। इसके साथ ही कई जगहों पर हल्की बारिश की स्थिति बन जा रही है।

प्रदेश में न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी नजर आ रही है। तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। इससे ठंड का असर खत्म होते जा रहा है। हालांकि अभी भी सरगुजा संभाग में ठंड का असर है। द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश में लगातार मौसम का मिजाज बदल रहा है। दिन का तापमान बढ़ने और तेज धूप होने की वजह से गर्मी बढ़ गया है। बीते दिनों शुक्रवर को प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दंतेवाड़ा में दर्ज किया गया है। इसके साथ ही सबसे कम न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। राजधनी रायपुर में 32,बिलासपुर में 31.6 अंबिकापुर में 27.5 जगदलपुर में 33.6 दुर्ग में 32.4 और राजनांदगांव में 31.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है, जो कि कई जगहों पर सामान्य से ज्यादा रहा है।

महादेव सट्टा : 8 दिनों तक ईडी की हिरासत में नीतीश

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक के संचालन में शामिल नीतीश दीवान को आज ईडी ने पीएमएलए विशेष न्यायालय रायपुर में पेश किया, जहां उसे 24 फरवरी तक ईडी की रिमांड में भेजा गया है। इस दौरान ईडी उनसे पूछताछ करेगी।

बता दें कि महादेव एप के संचालन में शामिल नीतीश दीवान को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने 15 फरवरी को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा कि नीतीश और उसका भाई महादेव बुक के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के बहुत ही करीबी है।

भिलाई के वैशाली नगर के रहने वाला नीतीश दीवान के सपने भी सौरभ चंद्राकर की तरह थे। नीतीश दुबई में महादेव ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर के साथ जुड़ गया। यही से दोनों साथ काम करने लगे। नीतीश महादेव ऐप की अर्निंग का लेखाजोखा देखता था। इसके बाद उसे सौरभ चंद्राकर ने अपने काले कारोबार के कोर कमेटी का मेंबर बनाया था।

61 लाख 28 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

■ 25 फरवरी तक नवीनीकरण कार्य किए जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 17 फरवरी की स्थिति में 61 लाख 28 हजार 959 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में इस एप्प के जरिए नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहां पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाईन प्रक्रिया के जरिए राशनकार्डों के नवीनीकरण हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा भी दी जा रही है।

डॉ देवेंद्र नायक को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने किया सम्मानित

रायपुर। श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ देवेंद्र नायक और उनकी टीम को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक शासकीय कार्यक्रम में सम्मानित किया है। ये कार्यक्रम ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। डॉ देवेंद्र नायक ने बताया कि श्री बालाजी हॉस्पिटल को ये सम्मान वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना के तहत सर्वाधिक मरीजों को इस योजना का बेहतर लाभ पहुंचना के लिए सम्मानित किया गया है। ये अवार्ड मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के हाथों डॉ देवेंद्र नायक, अस्पताल की मैनेजिंग डायरेक्टर नीता नायक, डायरेक्टर डॉ बिरेंद्र पटेल और मेडिकल सुप्रिटेंडट डॉ दीपक जायसवाल ने प्राप्त किया। अवार्ड लेने के बाद डॉ देवेंद्र नायक ने कहा कि इसके पीछे अस्पताल के हर डॉक्टर और स्टॉफ की पूरी मेहनत है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 14/व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड 2024 **गरियाबंद, दिनॉक 15-02-2024**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल पद्धति निविदा प्रपत्र अ में नीचे उल्लेखित कार्य हेतु आमंत्रित की जाती है-

स. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रूपये में)	अमानत राशि	टीप
1.	गरियाबंद जिले अंतर्गत राजिम कुंभ (कल्प) मेला 2024 में शौचालय व्यवस्था एवं अन्य विभागीय कार्य, शेड्यूल अनुसार।	13.30 लाख	9975/-	एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की श्रेणी द एवं उच्च श्रेणी

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में दिनांक 21-02-2024 तक देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद (छ.ग.)

जी- 07872/3

बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश

अभिनय आकाश

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का दौड़ कभी वाम दलों के शासनकाल के दौरान देखने को मिलता था। सिंगूर और नंदीग्राम ये दो ऐसे कंधे हैं जिन पर चढ़कर एक जमाने में ममता बनर्जी ने तीन दशकों के वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था। लेकिन अब संदेशखाली की घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कहा जाता है कि उत्पीड़न होने पर पुलिस उत्पीड़न पक्ष से ही जस्टिस मांगने को कहती नजर आती थी। संदेशखाली का प्रसंग, पॉलिटिक्ल वायलेंस, ममता बनर्जी का स्टैंड व आयोग कि रिपोर्ट तमाम मामलों का निचोड़ आपको इस रिपोर्ट के जरिए मिल जाएगा। इस साल जनवरी में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट की टीम तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के घर पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई करोड़ों रुपये के राशन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुई थी। इस दौरान, शाहजहां के समर्थकों ने ईडी अधिकारियों को उनके घर में एंट्री करने से रोका। साथ ही टीम के सदस्यों से मारपीट की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं सड़क पर उतरीं। उनका आरोप है कि शाहजहां और उनसे जुड़े लोगों ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा किया है। उनका यौन उत्पीड़न भी किया जा रहा था। जून 2019 में लोकसभा चुनाव के बाद संदेशखाली में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प के बाद, दोनों पक्षों की मौतें हुई, शेख ने खुद को घटना के संबंध में दर्ज हत्या की प्राथमिकी में फंसा हुआ पाया। नॉर्थ 24 परगना जिले के वशीरहाट सवडिविजन में आने वाले संदेशखाली से जिला परिषद सदस्य शाहजहां इस घटना के बाद से फरार हैं। हालांकि, उनके करीबियों का दावा है कि इलाके पर अव भी उनका काफी हद तक नियंत्रण है। एक स्थानीय महिला ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी के कोई खूबसूरत महिला या लड़की होती है तो उन्हें उठाकर पार्टी ऑफिस लाते हैं। महिलाओं ने बताया कि शाहजहां के फरार होने से उन्हें पिछले कई वर्षों से जारी उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत मिली। अपराध में केवल शाहजहां ही नहीं वल्कि उसका कथित साथी और तृणमूल के दूसरे नेता उत्तम सरदार और शिवप्रसाद हजारा भी शामिल हैं। महिलाएं शाहजहां और शिवप्रसाद हजारा की गिरफ्तारी की मांग कर रही हैं। संदेशखाली मामले में मुख्यमंत्री ममता वनर्जी ने कहा है कि जो लोग जिम्मेदार थे उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। उन्होंने कहा था कि स्थिति पर वारीकी से नजर रखी जा रही है। राज्य महिला आयोग की टीम ने संदेशखाली जाकर महिलाओं से वातचीत की है। राज्य प्रशासन ने जांच के लिए सीनियर आईपीएस अधिकारियों की अगुआई में 10 सदस्यीय टीम बनाई है। संदेशखाली हिंसा पर राष्ट्रीय अनुसुचित जाति आयोग ने राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। एनसीएससी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की है। वहीं रिपोर्ट में संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न की बात कही गई है। टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया गया है। इसको लेकर लगातार बवाल भी मच रहा है।

चुनाव से पहले शह-मात का खेल

ललित गर्ग

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरुआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड़ कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वहीं पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही हैं। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। %%अभी नहीं तो कभी नहीं।%% दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया।

निश्चित रूप से इन सब शतरंजी चालों के पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया गठबंधन खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। विपक्षी दलों का मंच इंडिया गठबंधन पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। भाजपा की शतरंज पर बिछी बिसात का अहम हिस्सा नंबर से आगे जाकर पूरे देश में ऐसा माहौल बनाना है जिससे लोगों में उसके लिये अधिकतम स्वीकार्यता का भाव आये। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिये राष्ट्रीय एकता, नया भारत, सशक्त भारत का सन्देश अहम है। राजनीतिक चारित्रिक उज्ज्वलता, ईमानदारी और नैतिकता शतरंज की चालें नहीं मानवीय मूल्य हैं। अतः नीति ही राजा, नीति ही मोहरें और नीति ही चालें हो।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-9)

गतांक से आगे...

हे शुकदेव जी! आपने अपने सांसारिक कृत्यों को समाप्त कर दिया है तथा आपको सभी मनोरथ प्राप्त हैं, कृपया बताने का अनुग्रह करें कि अब आपकी क्या अभिलाषा है? श्रीशुकदेव जी ने जिज्ञासा भाव से कहा- हे गुरुवर! कृपया मुझे यह बताने की कृपा करें कि यह सांसारिक प्रपञ्च कैसे प्रादुर्भूत हुआ है तथा किस तरह से विलय को प्राप्त होता है? तब महान् ज्ञानी राजा जनक ने श्रीशुकदेव जी को सभी बातें तत्त्वतः बतला दी, इन्हीं बातों को उनके परम ज्ञानवान् पिता श्रीव्यास जी पहले ही बता चुके थे। इस पर श्रीशुकदेव जी ने कहा- हे गुरुश्रेष्ठ ! हमने स्वयं ही इसकी विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की थी, पूछने पर हमारे पिता श्रीव्यास जी ने भी यही बातें बतलायी थी। आपने भी यही बातें हमें बतायी हैं तथा ठीक ऐसा ही शास्त्रों का भी मत है। मन के विकल्प से ही प्रपञ्च की उत्पत्ति होती है और उस विकल्प के विनष्ट हो जाने पर इस (प्रपञ्च) का भी विनाश हो जाता है। यह जगत् निन्दनीय एवं सार-रहित है, ऐसा निश्चित है, तब हे महान् ज्ञानी राजन् ! यह सब (जीवन आदि) क्या है ? कृपा करके मुझे यथार्थ रूप से समझाने की कृपा करें। मेरा यह चित्त जगत् के विषय में दिग्भ्रान्त हो रहा है, अतः आपके सदुपदेश से ही शान्ति मिल सकती है। इसके पश्चात् राजा जनक ने कहा- हे शुकदेव जी! अब मैं आपके प्रति सम्पूर्ण ज्ञान को विस्तारपूर्वक कहता हूँ- सुनो, यह ज्ञान समस्त ज्ञानों का सार एवं सभी रहस्यों का रहस्य है, अतः इसके जान लेने से वह पुरुष अतिशीघ्र मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। विदेहराज ने कहा कि यह दृश्य जगत् है ही नहीं, ऐसा पूर्ण बोध जब हो जाता है, तब दृश्य विषय से मन की शुद्धि हो जाती है। तब यह ज्ञान पूर्ण हो जाता है और तभी उसे निर्वाण रूपी परम शान्ति मिल जाती है।

क्रमशः ...

मदन लाल ढींगरा

राहुल

मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए खुद को न्योछावर कर देने वाले मदन लाल ढींगरा स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी को एक आंदोलन में तब्दील करने वाले क्रांतिकारी युवा थे। 18 फरवरी 1883 को अमृतसर के सिकंदरी गेट में जन्मे मदनलाल के पिता दित्तामल पेशे से एक सिविल सर्जन थे। इनका परिवार अंग्रेजों का खास माना जाता था। पर मदनलाल ढींगरा का स्वभाव इसके उलट था। वो तो अंग्रेजों के सबसे बड़े विरोधी थे। मदन लाल ढींगरा ने भारतीयों पर अत्याचार करने वाले अंग्रेज अधिकारी कर्जन वायली को लंदन में पांच गोलियां मारकर ढ़ेर कर दिया था।

मदनलाल ढींगरा बचपन से ही क्रांतिकारी विचारों के थे। बचपन में जब वे स्कूल में भारतीयों के साथ होते अत्याचार को देखते थे तो उनके मन में अंग्रेजों के प्रति नफरत पैदा होने लगती थी। इस बात को जब उन्होंने अपने पिता से बताया तो पिता ने उनको जैसे तैसे समझाया पर मदनलाल के अंदर द्वंद चल पड़ा था। ऐसे में जब वह उच्च शिक्षा के लिए लाहौर गए तो वहां भी ऐसा देखने पर उन्होंने इसका विरोध किया। मदनलाल को महाविद्यालय से निकाल दिया गया।

मदनलाल ढीगरा जब लंदन में पढ़ाई के लिए पहुंचे तो उस दौरान उनकी मुलाकात राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर और श्यामजी कृष्ण वर्मा से हुई। कहा जाता है कि सावरकर ने मदनलाल ढींगरा को क्रांतिकारी संस्था भारत का सदस्य बनाया था। साथ ही उनको हथियार चलाने की ट्रेनिंग भी दी थी। उन दिनों लंदन में इंडिया हाउस भारतीय छात्रों के राजनैतिक क्रियाकलापों का केंद्र होता था। वहां कई क्रांतिकारी नेताओं की बैठक होती थी। खुदीराम बोस, सतिन्दर पाल, काशी राम और कन्हाई लाल दत्त को फांसी देने की बात से वहां पर सब लोग दुखी थे। उनके मन में अंग्रेजों के प्रति नफरत बढ़ती जा रही थी। मदनलाल ढींगरा और दूसरे स्वतंत्रता सेनानी इन वीर क्रांतिकारियों को फांसी देने के लिए वायसराय लार्ड कर्जन और पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर फुलर को जिम्मेदार मानते थे। अपने वीर क्रांतिकारियों की मौत का बदला लेने के लिए ढींगरा ने एक समारोह में दोनों की हत्या करने की योजना बनाई। हालांकि दोनों अधिकारियों के जल्दी निकल जाने के कारण ढींगरा अपनी योजना में सफल नहीं हो पाए। इसके बाद मदनलाल ढींगरा ने किसी अन्य बड़े अंग्रेज अधिकारी को मारने का प्लान बना लिया। साल 1909 में जब पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन अपने चरम पर था तब इंडियन नेशनल एसोसिएशन के वार्षिक उत्सव में बड़ी संख्या में भारतीय और अंग्रेज इकट्ठा हुए। जैसे ही उस कार्यक्रम में तत्कालीन भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार सर विलियम हट कर्जन वायली प्रोग्राम में पहुंचे, तब मदनलाल ढींगरा ने उनपर 5 गोलियां चलाईं और उनको मौत के घाट उतार दिया। 23 जुलाई 1909 को हत्या के मामले में पेशी हुई। मदनलाल पर आरोप सिद्ध हुए और उनको फांसी की सजा सुनाई गई। इसके बाद 17 अगस्त 1909 को आजादी का ये दीवाना लंदन की पेंटनविले जेल में हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गया।

भ्रष्ट नेताओं की पूरी साख ही दांव पर है

योगेंद्र योगी

गत वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं को बख्शेगी नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में हुई गिरफ्तारी से यह बात साबित हो गई। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दल सोरेन की गिरफ्तारी पर भाजपा पर राजनीतिक विद्वेषता से कार्रवाई करने का आरोप तो लगा रहे हैं किन्तु यह एक बार भी नहीं बताया कि देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए उनके पास क्या रोड मैप है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों का शासन है, उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार को समझ में आ गया है कि देश के मतदाता भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी मुहिम के समर्थन में हैं।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की काफी कोशिश की, किन्तु कामयाबी नहीं मिल सकी। फ्रांस से खरीदे युद्धक विमान राफेल, अडानी और अंबानी को लेकर विपक्षी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। इन आरोपों को लेकर विपक्षी दलों सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें सारहीन मान कर खारिज कर दिया। इससे भाजपा का नैतिक बल बढ़ गया। भाजपा ने भ्रष्टाचार की मुहिम को तेज करने के साथ ही सोरेने जैसे नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विपक्ष भ्रष्टाचार पर बदले की नीयत का आरोप लगा रहा है किन्तु प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा नेताओं की गिरफ्तारी के ज्यादातर मामलों में अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। इससे जाहिर होता है कि ईडी और सीबीआई ने ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है। तृणमूल कांग्रेस और आप सहित कई पार्टियों के नेता जमानत नहीं मिलने के कारण महीनों-सालों से जेल में बंद हैं।

अदालतों ने यह माना है कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। यही वजह है इनको जमानत नहीं मिल सकी, ताकि सबूतों और गवाहों को प्रभावित नहीं किया जा सके। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित 14 दलों ने ईडी और सीबीआई पर दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में जांच एजेंसियों को लेकर भविष्य के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों का तर्क था कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की ओर से 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेष मामले के तथ्यों के बिना सामान्य दिशानिर्देश निर्धारित करना संभव नहीं है। सीजेआई ने कहा कि जब आपके पास व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो तो हमारे पास वापस आएं। मामले के तथ्यों से संबंध रखे बिना सामान्य दिशा निर्देश देना खतरनाक होगा। इस पर विपक्षी दलों ने याचिका वापस ले ली।

ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं को जमानत नहीं मिलने और सुप्रीम कोर्ट से विपक्षी दलों को मिली हार के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हो गए। यही वजह है कि विगत विधानसभा चुनाव और उसके बाद सार्वजनिक तौर प्रधानमंत्री नरेन्द्र, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आस पास ही बज रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी ने केजरीवाल को चार समन भेजे हैं लेकिन वो अभी तक केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर करीब एक दर्जन से अधिक विपक्षी नेता हैं। देर-सवेर इनका भी बच पाना मुश्किल है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। आरोप है कि रेवंत जब टीडीपी में थे, तो उन्होंने साल 2015 में विधान परिषद के चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वोट देने के लिए एक विधायक को कथित तौर पर पचास लाख रुपये रिश्वत के तौर पर दिये थे। आंध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर और वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर भी प्रवर्तन निदेशालय की नजर है। उन पर यूपीए शासन के दौरान ही कई मामले दर्ज हो गए थे। ईडी ने जगन मोहन के खिलाफ 2015 में मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया था। यह मामला जगन के स्वामित्व वाली भारती सीमेंट्स के पैसों के लेने-देने के आरोप से जुड़ा है। मौजूदा समय में वामदल की सरकार सिर्फ केरल में बची है और वहां भी राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। मामला विजयन के बिजली मंत्री रहने के दौरान का है। सीबीआई ने 1995 एसएनसी लवलीन केस में चार्जशीट दायर की थी। यह मामला इडुक्की में जलविद्युत परियोजनाओं के आधुनिकीकरण के लिए कनाडाई फर्म एसएनसी लवलिन को दिए गए अनुबंध में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर कई सालों से सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग की नजर है। साल 2013 से 2018 के बीच 74 करोड़ रुपये की आय को लेकर सीबीआई ने 2020 में कांग्रेस नेता पर केस दर्ज किया।

केंद्रीय जांच एजेंसियों की रडार पर लालू यादव का परिवार लंबे समय से है। बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव, मीसा भारती कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में मुख्य आरोपी हैं। इसके अलावा भी लालू यादव पर कई कथित भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हैं। कांग्रेस नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा पर भी ईडी की नजर है। हुड्डा की मानेसर जमीन सौदा मामले और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की पंचकुला में भूमि आवंटन मामले की जांच चल रही है। इसी तरह राजस्थान के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और सांसद कार्ति चिदंबरम का नाम कथित एम्बुलेंस घोटाला मामले में है। कांग्रेस नेताओं पर 2015 में मामला दर्ज किया गया था, जो 2010 में फर्जी तरीके से जिकित्सा हेल्थकेयर को 08 एम्बुलेंस सर्विस चलाने का ठेका देने से संबंधित है। कंपनी में पायलट और चिदंबरम कथित तौर पर डायरेक्टर थे। कंपनी पर अत्यधिक बढ़ा चढ़ाकर चालान जमा करने का आरोप है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल अपनी सरकार के दौरान कोयला परिवहन, शराब की दुकानों के संचालन और महादेव गेमिंग ऐप में अनियमितताओं से संबंधित कथित मनी लॉन्ड्रिंग के कम से कम तीन मामलों में ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी ईडी और सीबीआई की निगाह है। वो गोमती रिवरफ्रंट परियोजना के अलावा खनन ठेंका में कथित अनियमितताओं के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों के दायरे में हैं। यूपी की पूर्व सीएम और बीएसपी चीफ मायावती के कार्यकाल के दौरान की कई परियोजनाओं की जांच चल रही है। हालांकि, उनका नाम एजेंसियों की किसी भी एफआईआर में नहीं है। इसके अलावा भी विपक्षी दलों के ऐसे नेताओं की सूची में कई नाम हैं, जिनके खिलाफ ईडी और सीबीआई में मामले दर्ज हैं। जिस तरह विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई चल रही है, उससे देश के लोगों में इनकी छवि लगातार धूमिल होती जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा जैसी मुहिम भी कांग्रेस और विपक्षी दलों के लिए संजीवनी तब तक साबित नहीं होगी जब तक विपक्षी दल भ्रष्टाचार के खिलाफ पारदर्शी और समरूपता की नीति देश के सामने पेश नहीं करता।

आज का इतिहास

1952 ग्रीस और तुर्की उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन में शामिल हुएद्ध
1957 केन्या के स्वतंत्रता नेता ददन किमाथी, जिन्होंने माउ माउ विद्रोह की अगुवाई की थी, ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा निष्पादित किया गया था, जिन्होंने उन्हें एक आतंकवादी के रूप में देखा था।
1965 गाम्बिया देश को ब्रिटेन से स्वाधीनता मिली और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।
1965 ग्रेट ब्रिटेन ने गाम्बिया शहर को स्वतंत्रता प्रदान की।
1970 एक अमेरिकी जूरी ने 1968 के डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान विरोध प्रदर्शनों से दंगों को भड़काने की साजिश के शिकागो सेवन को बरी कर दिया।
1977 नासा के पहले स्पेस शटल, एंटरप्राइज ने बोइंग 747 शटल कैरियर एयरक्राफ्ट के साथ अपनी पहली उड़ान बनाई।
1977 ब्रिटिश साइंस फिक्शन कॉमिक 2000 एडी की शुरुआत, प्रोजे 1 के साथ 26 फरवरी को की गई।
1991 एडमॉन्टन ऑइल गोलकीपर ग्रांट फुहर एनएफएल में लौटते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के लिए उन्हें एक लंबे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। 18 फरवरी, 1991 को उन्होंने न्यू जर्सी डेविल्स को 4-0 से हरा दिया।
1994 अभिनेता जो पैंटोलियानो और मॉडल नैंसी शिपर्ड की शादी फरवरी 1994 में हुई थी। उनकी शादी के दौरान जो 41 साल की थीं, जबकि नैंसी 31 साल की थीं।
1995 बार्ब जोन्स व्हाइटहेड ने 18 फरवरी, 1995 को कप ओ नूडल्स हवाईयन लेडीज गोल्फ ओपन जीता।
2001 अमेरिकी एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैनसेन को 22 साल की अवधि में सोवियत और रूसी खुफिया एजेंसियों की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।
2001 एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैनससेन गिरफ्तार किया गया क्यूंकि 25 साल के लिए रूस की जासूसी करने का आरोप था।
2001 एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैनसेन को सोवियत संघ के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और उम्रकैद की सजा सुनाई गयी।
2003 आगजनी में दक्षिण कोरिया के डेगू में एक रेलवे स्टेशन में आग लग गई, इस घटना में लगभग 200 लोग मारे गए।
2010 संयुक्त राष्ट्र में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के कार्यकारी सचिव के साथ शीर्ष जलवायु परिवर्तन अधिकारी, यूवो डी बोअर इस्तीफा देते हैं।
2013 नेस्ले कंपनी ने अपने बीफ पास्ता को फ्रांस, स्पेन और इटली में मौजूद सुपरमार्केट से हटाने का फैसला किया है। परीक्षणों के बाद पता चलता है कि फूड जायंट में ऐसे उत्पाद हैं जो हॉर्समेट से दूषित हैं।

अमीर किसानों के ट्रैक्टर प्रदर्शन में गरीब किसान गायब क्यों?

आशीष कुमार अंशु

जब किसान नेताओं की सबसे बड़ी चिंता यह होनी चाहिए कि सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ छोटे किसानों को कैसे मिल सकता है तो वे कुछ ऐसी मांगों के साथ पंजाब-हरियाणा के बॉर्डर पर आ डटे हैं, जिसे लेकर यह बता पाना कठिन है कि ये लोग किसानों के अधिकार के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर इन्होंने स्टेट के खिलाफ कोई जंग का ऐलान कर दिया है।

देश के अंदर 2 हेक्टेयर या उससे कम जमीन वाले किसानों की संख्या 80 प्रतिशत तक है। यदि कोई किसान नेता होने का दावा करता है तो उसे अपने बीच के 80 प्रतिशत समाज की आवाज बनना चाहिए। शंभू बॉर्डर पर खड़े सैकड़ों ट्रैक्टरों और उसके साथ खड़ी आक्रामक भीड़ को देखकर उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल का किसान उस प्रदर्शन से खुद को जोड़ नहीं पायेगा।

छोटे जोत के किसान को यही लगता है कि शंभू बॉर्डर पर इकट्ठे हुए प्रदर्शनकारी खेतों में काम करने वाले नहीं बल्कि राजनीति करने वाले किसान हैं। एक अनुमान के अनुसार दो हेक्टेयर वाला कोई किसान अगर एक ट्रैक्टर अपनी जमीन के लिए खरीद लेता है तो उस ट्रैक्टर के लिए लिया गया कर्ज वह आजीवन उतार नहीं पाता। सालभर में कम से कम एक हजार घंटे जिसका ट्रैक्टर खेतों में चलता है, उसके लिए खेती में इसकी सार्थकता है। औसतन एक दिन में कम से कम तीन घंटे ट्रैक्टर को खेतों में चलना चाहिए।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में किसानों पर ट्रैक्टर ऋण 14,000 करोड़ से अधिक का है। ऐसे में सवाल बनता है कि किसानों के नाम पर चल रहे किसी प्रदर्शन की पहचान ट्रैक्टर कैसे हो सकता है? जबकि यह किसानों के कर्ज और आत्महत्या के लिए सबसे अधिक जिम्मेवार है। किसान नेताओं के बीच छोटे जोत के किसानों का प्रतिनिधित्व होता तो उन्हें समझाने में सुविधा होती कि यह प्रदर्शन किसानों का आंदोलन नहीं लगता। ना ही हुडदंग में शामिल प्रदर्शनकारी महेन्द्र सिंह टिकैत और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की किसानी की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिखते हैं।

आज की तारीख में महिन्द्रा या स्वराज का 50 एचपी का एक ट्रैक्टर सात-आठ लाख रुपए से कम नहीं आता। छोटे जोत के किसानों के लिए इसे खरीद पाना नामुमकिन है। उनकी इतनी बचत नहीं है कि वे आठ लाख रुपए निवेश करें। उनके खेतों में एक दो दिनों के लिए किराए पर ट्रैक्टर आता है। गरीब किसानों का साथ हमेशा हल और बैल ने ही दिया है। ट्रैक्टर तो किसानों की आत्महत्या की वजह बनी है। ना जाने कितने किसानों ने अपनी जान ट्रैक्टर का कर्ज ना चुका पाने की वजह से दी होगी। ट्रैक्टर ने उनकी जमीन और जिंदगी छीनी है।

पंजाब में पैसे वाले प्रदर्शनकारियों के लिए ट्रैक्टर उनके स्टेटस का सिंबल है। इसलिए 70 से 80 लाख के नए ट्रैक्टर भी आंदोलन में शामिल होने के लिए लाए गए। कई ट्रैक्टरों को मोडिफाई किया गया। उसमें भी हजारों-लाखों रुपए लगाए गए। जबकि यही दिखावा छोटे किसानों के लिए कर्ज और खुदकुशी की वजह बना है। पंजाब इसमें पीछे नहीं रहा है।

भारत रत्न एमएस स्वामीनाथन की हरित क्रांति का सबसे अधिक लाभ पंजाब को मिला, इसमें कोई संदेह नहीं लेकिन सबसे अधिक कीमत भी पंजाब ने चुकाई। पंजाब की जो मिट्टी सोना उगलती थी, कुछ साल उस मिट्टी पर कैंसर पसरने लगा। यह किसानों को चेतावनी थी कि अधिक स्वार्थ मिट्टी की सारी उर्वरा शक्ति को

सोख लेगा। छोटे जोत के किसानों को सुभाष पालेकर के जीरो बजट की खेती की आवश्यकता है। आमदनी बढ़ाने की बात की जा रही है लेकिन खेती की लागत कम करने के प्रश्न पर यह प्रदर्शन पूरी तरह खामोश है।

किसानों के नाम पर प्रदर्शन करने वाले आंदोलनकर्मियों ने किसान रैली को ट्रैक्टर रैली बनाने से पहले उन छोटे किसानों के लिए एक बार क्यों नहीं सोचा जिन्होंने बड़े किसानों की देखा देखी ट्रैक्टर खरीद लिया और आजीवन कर्ज में डूबा रहा। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. गुरचरण सिंह कालकट ने इस समस्या की गंभीरता को समझा था। डॉ कालीकट जब पंजाब किसान आयोग के अध्यक्ष थे, उस समय उन्होंने पंजाब के सभी बैंकों को एक पत्र भेजा। जिसमें उन्होंने लिखा कि पंजाब के किसानों को एक लाख ट्रैक्टर की आवश्यकता है लेकिन इस समय प्रदेश में साढ़े चार लाख ट्रैक्टर है। किसानों को ऐसे में ट्रैक्टर के लिए ऋण की आवश्यकता नहीं है। बैंक पांच एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को ट्रैक्टर के लिए कर्ज देना बंद करें।

बात वर्ष 2007 की है, उनके इस पत्र के बाद ट्रैक्टर बनाने वाली कंपनियों के बीच भय का वातावरण रहा। इससे पंजाब में ट्रैक्टर कारोबार प्रभावित हुआ लेकिन कंपनियों ने इसकी भरपाई ट्रैक्टर निर्यात करके की। पंजाब में बनने वाले सोनालिका और महिन्द्रा एंड महिन्द्रा ट्रैक्टर की देश के बाहर भी खूब मांग है। वर्तमान में भारत से ट्रैक्टर के निर्यात में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी पंजाब की है।

यहां जान लेते हैं कि दिल्ली की तरफ बढ़ रहे पंजाब हरियाणा के प्रदर्शनकारियों की मांग क्या है। उन्हें सभी फसलों पर एमएसपी चाहिए, दस हजार रुपए बुजुर्ग किसानों के लिए प्रतिमाह की पेंशन चाहिए, बिजली बिल माफी चाहिए, डीजल सब्सिडी चाहिए, डॉ. स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के हिसाब से फसलों की कीमत तय होनी चाहिए, सभी फसलों के उत्पादन की औसत लागत से पचास फीसदी ज्यादा एमएसपी मिलनी चाहिए, किसान और खेत में काम करने वाले मजदूरों का कर्जा माफ होना चाहिए, किसानों पर प्रदूषण कानून लागू नहीं होना चाहिए, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 दोबारा लागू किया जाना चाहिए, लखीमपुर खीरी कांड के दोषियों को सजा मिले और आरोपियों की जमानत रद्द की जानी चाहिए, मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द किया जाना चाहिए, विद्युत संशोधन विधेयक 2020 को खत्म किया जाना चाहिए।

मांगों की लिस्ट लंबी है। इस सूची में मनरेगा में हर साल 200 दिन का काम और 700 रुपये मजदूरी की बात भी है। प्रदर्शन के दौरान जिन आंदोलनकर्मियों की मृत्यु हुई, उनके परिवारों को मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग भी है। प्रदर्शन के दौरान घायल हुए आंदोलनकर्मियों को 10 लाख रुपये का मुआवजा और पिछले प्रदर्शन के दौरान देश भर में आंदोलनकर्मियों पर दर्ज सभी मुकदमे रद्द करने की मांग भी है। इसके अलावा भी कई अन्य मांगें इसमें शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों के रवैए से शासन और सरकार के पक्ष को समझा जा सकता है। उनकी तैयारी तीन महीने की है। मतलब प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर आश्वस्त हैं कि उनका प्रदर्शन लोकसभा चुनाव तक चलेगा। वे इसकी पूरी तैयारी करके मैदान में उतरे हैं।

किसान आंदोलन के बड़े नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के बयान के बाद प्रदर्शनकारियों को लेकर संदेह अधिक गहराता है। डल्लेवाल ने कहा कि राम मंदिर से पीएम मोदी का ग्राफ ऊपर चला गया है। वे अपने प्रदर्शन से इस ग्राफ को नीचे लाना चाहते हैं। इससे साफ होता है कि प्रदर्शन का उद्देश्य खेती सुधार नहीं बल्कि मोदी को कमजोर करना है।

जब किसानों की खेती की लागत कम करने और छोटे किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक दिलवाने के लिए आंदोलन होना चाहिए, उसकी जगह प्रदर्शनकारी अपने महंगे मोडिफाइड ट्रैक्टरों से जिस तरह के भय का माहौल बनाने की कोशिश में दिखाई दे रहे हैं, यह सब देखकर उनके आंदोलन का उद्देश्य आर्थिक कम राजनीतिक ज्यादा प्रतीत होता है।

चुनाव प्रक्रिया स्वच्छ एवं पारदर्शी हो

डॉ अश्विनी

इलेक्टोरल बॉन्ड पर जो सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया है, वह एक कानूनी प्रक्रिया के तहत है और उस पर विशेष टिप्पणी करने का कोई अर्थ नहीं है। पर इस संबंध में जो पहली चीज विचार करने लायक है, वह यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को क्यों लाया गया था। राजनीतिक दलों को चंदा संग्रह करने का अधिकार है और जमा की गयी धनराशि पर उन्हें कोई आयकर भी नहीं देना होता है। उन्हें जो पैसा चंदे या दान के रूप में मिलता है, उससे अपेक्षा की जाती है कि वे उसकी जानकारी चुनाव आयोग को मुहैया करायेंगे। पहले जो धन बैंक चेक या ड्राफ्ट के माध्यम से हासिल होता था, उसकी जानकारी तो मिल जाती थी, लेकिन नगदी चंदे के बारे में पारदर्शिता का पूरा अभाव था। यह तो स्थापित तथ्य है कि हमारे देश की राजनीति और चुनावी प्रक्रिया में काले धन की मौजूदगी जमाने से रही है और इस समस्या के समाधान पर लंबे समय से चर्चा भी होती रही है। काले धन की वजह से यह चलता रहा कि पैसा देने वाले राजनीतिक दलों और उनकी सरकारों से बेजा फायदा उठाते रहे। यह स्थिति हमारी राजनीतिक प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती थी। इस पृष्ठभूमि में इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लाकर यह प्रयास हुआ कि काले धन की समस्या को रोका जाए, उसे हतोत्साहित किया जाए। वर्ष 2017 में भारत सरकार द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लागू की गयी, जिसमें यह कहा गया कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा जा सकता है और किसी पार्टी को दिया जा सकता है। एक निर्धारित समयावधि के अंदर पार्टियां इलेक्टोरल बॉन्ड को भुना लेती थीं। इस पद्धति में यह सूचना सार्वजनिक करने का प्रावधान नहीं था कि किस पार्टी को किस व्यक्ति या संस्था ने कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से दिया है। इस प्रावधान पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जतायी है और कहा है कि चुनावी चंदे के लेन-देन में समुचित पारदर्शिता होनी चाहिए। अभी इस ताजा फैसले में अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को रोक दिया है और कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करना बंद कर दे। सर्वोच्च न्यायालय की प्रमुख आपत्ति पारदर्शिता को लेकर ही है। जो व्यवस्था इलेक्टोरल बॉन्ड के आने से पहले से थी और जिस प्रकार राजनीतिक दल पैसा जुटाते थे, उसमें भी पारदर्शिता का बड़ा अभाव था। साथ ही, यह भी समस्या थी कि जो लोग भारी मात्रा में नगदी दे रहे हैं, उनके पैसे का स्रोत क्या है। इसका पता लगा पाना असंभव था। अगर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को कायम रखा जाए, तो आगे शायद अदालत को कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारे देश में पंजीकृत राजनीतिक दलों की संख्या सैकड़ों में है।

क्या मोदी के 400 पार के टारगेट में रोड़ा बनेगा दक्षिण

अंकित सिंह

राजनीति और चुनावों में रुचि रखने वाले अधिकांश लोगों के दिमाग में एक सवाल है- 2024 में क्या होगा? लोकसभा में बीजेपी को कितनी सीटें मिलेंगी? क्या दक्षिण भारत का राजनीतिक परिदृश्य उत्तर भारत जैसा ही होगा? राजनीति में कहावत भी है कि सफल नेता वही है जो ज़मीनी स्तर पर अपनी ताकत और कमजोरियों को समझता है। यही कारण है कि भाजपा अपने दक्षिण के अभियान को धार देने की कोशिश कर रही है। भाजपा को आगामी चुनाव में 400 पार जाना है तो उसके लिए दक्षिण को साधना बेहद की जरूरी है।

शुरुआत कर्नाटक से, जहां भाजपा पहले भी कई बार सत्ता में रह चुकी है; वर्तमान में, कांग्रेस कर्नाटक में शासन कर रही है, लेकिन हाल के महीनों में, भाजपा विशेष रूप से राज्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र को बागडोर सौंपी है। असंतुष्ट नेताओं को पार्टी में वापस लाने की कोशिशें चल रही हैं। इस बार हर सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. के नेतृत्व में जनता दल (सेक्युलर) देवेगौड़ा भी एनडीए के जहाज पर सवार हो गए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में जद(एस) का प्रभाव कम होता दिख रहा था। इसी तरह, तेलंगाना में कांग्रेस के रेवंत रेड्डी बीजेपी के विजय रथ को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालाँकि, हाल के वर्षों में बीजेपी जिस तरह से तेलंगाना में काम कर रही है, उससे पता चलता है कि पार्टी टीआरएस को पीछे छोड़कर राज्य में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने की राह पर है। आंध्र प्रदेश में बीजेपी की मौजूदगी फिलहाल बहुत कम है। हाल के वर्षों में राज्य की राजनीति में

जगनमोहन रेड्डी का कद काफी बढ़ा है। लेकिन टीडीपी के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है। तमिलनाडु में सियासी घमासान के बीच बीजेपी संभावनाओं के दरवाजे खोलती नजर आ रही है। के अन्नामलाई के जरिए पार्टी वहां पैठ बढ़ाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में बीजेपी एआईएडीएमके के असंतुष्ट नेताओं को वापस लाकर गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। केरल में आरएसएस के स्वयंसेवक लंबे समय से काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि केरल के प्रभावशाली नायर समुदाय का झुकाव बीजेपी की ओर है। समय-समय पर राज्य की वामपंथी सरकार के प्रति जनता में असंतोष देखने को मिलता रहा है। ऐसे में बीजेपी को दो या तीन लोकसभा सीटों पर कड़ी चुनौती मिल सकती है।

दक्षिणी क्षेत्र - आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और लक्षद्वीप - की 131 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 2019 में 29 सीटें जीतीं। जबकि यह कांग्रेस द्वारा जीती गई 28 सीटों से एक सीट अधिक है। इससे के पता चलता है कि भाजपा के लिए दक्षिण कितना महत्वपूर्ण है। भाजपा की 28 में से 25 सीटें कर्नाटक से और चार तेलंगाना से आईं। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की 65 सीटों पर पार्टी की उपस्थिति शून्य थी और वह पूरी तरह से एक क्षेत्रीय सहयोगी पर निर्भर थी। केरल की 20 सीटों में उसे एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन केवल त्रिशूर, पथानामथिट्टा और तिरुवनंतपुरम सीटों पर उसे 28, 27 और 30 प्रतिशत का अच्छा-खासा वोट शेयर मिला। हाल में देखे तो कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना चुनावों में निर्णायक जीत मिली है, जबकि भाजपा हिंदी पट्टी में निर्णायक रूप से जीत हासिल करने में कामयाब रहीं। हालांकि, इसने भाजपा के लिए दक्षिण संकट को और बढ़ा दिया है।

भाजपा के मुताबिक उसका लक्ष्य लोकसभा चुनाव में पांच दक्षिणी राज्यों से कम से कम 40-50 सीटें हासिल करना है। भाजपा नेता ने दावा किया कि हम कर्नाटक में अपनी सीटें (25) बरकरार रखेंगे क्योंकि लोगों ने सिद्धारमैया सरकार पर से जल्द ही विश्वास खो दिया है और हार के बावजूद हमने विधानसभा चुनावों में वोट शेयर नहीं खोया है। भाजपा तेलंगाना में 2019 से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी जब हमने चार लोकसभा सीटें जीती थीं। हमें केरल और तमिलनाडु के साथ-साथ आंध्र प्रदेश में भी कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं की रैलियों में मजबूत %दक्षिण फोकस% होगा और मोदी के नाम पर वोट मांगा जाएगा।

भाजपा हर हाल में चुनावी साल में सिर्फ और सिर्फ हिंदी बेल्ट की पार्टी वाली इमेज से बाहर निकालने की कोशिश में है। यही कारण है कि पार्टी ने विपक्ष का दक्षिणी दुर्ग भेदने के लिए अपने सबसे बड़े चेहरे पीएम मोदी को सीधे मैदान में उतार दिया है। दक्षिण में खुद को स्थापित करने के लिए भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस और केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को प्रचार में शामिल करते दिखाई दे रही है। तमिलनाडु की राजनीति को ध्यान में रखते हुए ही पीएम मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी को केंद्र बनाकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बुनियाद तैयार की गई है और काशी तमिल संगमम का आयोजन हुआ। भाषा को लेकर जो विवाद चल रहा है वह बीजेपी की राह में बाधा ना बने, इसको लेकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तमिलनाडु की भाषा की तारीफ कर रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा लोकप्रिय चेहरों को भी अपने साथ दक्षिण में जोड़ रही है जिसमें पीटी ऊषा, इलैयाराजा, वीरेंद्र हेगड़े और वी विजयेंद्र प्रसाद शामिल है। इसके अलावा हाल में ही मोदी सरकार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री और आर्थिक सुधारों के जनक पीवी नरसिम्हा राव तथा मशहूर कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करने का ऐलान किया है। ये दोनों दक्षिण से ही आते हैं। ऐसे में भाजपा फायदे की उम्मीद कर रही है।

राजनीति और समय दोनों अपनी गति से आगे बढ़ते रहते हैं। राजनेता और आम आदमी समान रूप से इस प्रवाह के भीतर अपने लिए बेहतर अवसर तलाशते रहते हैं। बुद्धिजीवी और राजनीतिक पंडित लगातार नतीजों के आधार पर स्थिति का विश्लेषण करने में लगे हुए हैं। 2024 की गतिशीलता को समझने में दो घटनाओं का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है।

रायबरेली को गांधी परिवार ने बेगाना कर दिया

अजय कुमार

राजनीति संभावनाओं का खेल है। कल क्या होगा इसको लेकर बड़े से बड़े राजनीतिक पंडित भी किसी तरह की भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि नेताओं का चाल चरित्र और चेहरा अक्सर बदलता रहता है। नेता सहूलियत के हिसाब से अपने वोटरों और जनता से संबंध बनाते-बिगाड़ते हैं। इसकी सबसे ताजा मिसाल हैं सोनिया गांधी। बड़ी बेरुखी के साथ रायबरेली से सोनिया गांधी ने अपना मुंह मोड़ लिया है। जो कृत्य 2019 में उनके बेटे राहुल गाँधी ने अमेठी की जनता की साथ किया था, वही अब 2024 में सोनिया गांधी रायबरेली की जनता के साथ कर रही हैं। 2019 में अमेठी से चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी ने यहां (अमेठी) की जनता से नाता तोड़ लिया, जबकि अक्सर वह अमेठी के लिए ही जीने और मरने की कसमें खाया करते थे। 2019 में मिली हार के बाद राहुल ने अमेठी आना तो दूर, इसका नाम ही लेना छोड़ दिया है। यही काम अब सोनिया गांधी ने किया है। सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ रही हैं, इस बात का किसी को गिला नहीं है। गिला इस बात का है कि एक बार सोनिया गांधी यहां आकर अपने फैसले से रायबरेली की वोटरों को अवगत तो करा देतीं। आखिर कई लोकसभा चुनावों में यहां की जनता ने सोनिया गांधी के लिए बड़े-बड़े नेताओं को हार का स्वाद चखाने से परहेज नहीं किया था था। आज उन्हीं सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता को एकदम से बेगाना कर दिया। इसीलिए यह संभावना जताई जा रही है कि प्रियंका गांधी भी रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ेंगी। यदि प्रियंका गांधी के यहाँ से चुनाव लड़ने की संभावना होती तो सोनिया गांधी रायबरेली की जनता के साथ कतई ऐसा व्यवहार नहीं करतीं। हालांकि अपनी गलती का अहसास होते ही सोनिया गांधी ने एक मार्मिक पत्र रायबरेली की जनता के नाम लिखा जरूर है, लेकिन इसमें स्पष्टता नहीं दिखाई देती है।

विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सोनिया गांधी खराब

स्वास्थ्य के कारण राजनीति से संन्यास ले लेतीं तो उनकी बात समझ में आती, लेकिन हकीकत यह है कि अबकी बार रायबरेली से चुनाव जीतने को लेकर सोनिया गांधी डरी हुई हैं। उन्हें लगता है कि वह रायबरेली से चुनाव हार जाएंगी, वरना वह पिछली कई बार की तरह इस बार भी यहां नामांकन करके चली जातीं और रायबरेली की जनता उन्हें जिता देती। यदि सोनिया गांधी समेत कोई यह समझता है कि राज्यसभा बीमार लोगों के लिए बनी है तो यह गलत उनकी गलत सोच है।

बहरहाल, रायबरेली की जनता को जिस तरह से सोनिया ने ठेंगा दिखाया है, उसके बाद यदि प्रियंका यहां से चुनाव लड़ती भी हैं तो उनके लिए चुनाव जीतना मुश्किल नहीं तो, आसान भी नहीं होगा। बात इतनी ही नहीं है, प्रियंका वाड्रा के लिए मुश्किल इसलिए भी खड़ी हो सकती है क्योंकि लंबे समय से वह रायबरेली से किनारा किए हुए हैं, जबकि वह 2019 तक अपनी मां के संसदीय क्षेत्र रायबरेली आया-जाया करती थीं।

गौरतलब है कि सोनिया गांधी ने 14 फरवरी 2024 को जब राज्यसभा के चुनाव के लिए राजस्थान के जयपुर पहुंच कर पर्चा दाखिल किया था। इसी से साफ हो गया है कि वे इस बार के लोकसभा चुनाव में नहीं उतरेंगी। रायबरेली कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। सोनिया गांधी 2019 में यहाँ से पांचवीं बार लोकसभा चुनाव जीती थीं। 2019 के चुनाव के दौरान सोनिया गांधी ने घोषणा की थी कि अगला लोकसभा चुनाव वे नहीं लड़ेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद वर्ष 1999 में पहली बार वे रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरी और जीती थीं। सोनिया गांधी के रायबरेली सीट से हटने के बाद प्रियंका गांधी को लेकर दावा किया जा रहा था कि प्रियंका लोकसभा चुनाव में रायबरेली से उतरेंगी। हालांकि, अब इसको लेकर चर्चा पर विराम-सा लग गया है। कांग्रेस की तरफ से भी चोरी छिपे दावा किया जाने लगा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से 2024 के चुनाव में नहीं उतरेंगी।

गांधी परिवार और कांग्रेस को लगता है कि कहीं प्रियंका वाड्रा का भी हाल राहुल जैसा ना हो जाए। जैसे अमेठी की जनता ने राहुल को ठुकरा दिया था, वैसे ही रायबरेली की जनता प्रियंका को ठुकरा दे। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी परंपरागत अमेठी सीट से उतरे थे। यहां से राहुल 2004 से चुनाव जीतते आ रहे थे। लेकिन, 2019 में उन्हें बीजेपी की स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से राहुल गांधी गिने-चुने मौकों पर ही अमेठी पहुंचे हैं। कांग्रेस इस बार विपक्षी गठबंधन के सहारे यूपी के चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है जबकि जमीनी स्तर पर पार्टी का संगठन काफी कमजोर है। प्रियंका को यूपी चुनाव 2022 के दौरान प्रदेश का प्रभारी बनाया गया था। लड़की हूं, लड़ सकती हूं नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरी प्रियंका ने यूपी की राजनीति में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें वह सफल नहीं हो पाई थीं। प्रियंका को इस चुनाव में कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी थी। पार्टी को 2017 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों पर जीत मिली थी। पार्टी के महासचिव पद को संभाल रहीं प्रियंका यूपी में पार्टी के वोट प्रतिशत को भी बढ़ाने में कामयाब नहीं हो पाईं। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच हुए दो-तरफा मुकाबले में पार्टी को कोई खास सफलता नहीं मिल पाई थी। रायबरेली में पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस लगातार कमजोर हुई है। यूपी चुनाव 2022 के दौरान रायबरेली में समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ती दिखी थी। वहीं, कांग्रेस से भाजपा में आई अदिति सिंह ने रायबरेली सदर सीट से जीत दर्ज की थी। कांग्रेसी किले में पहली बार भाजपा की जीत मिली।

सोशल मीडिया से मोदी के मंत्रियों को तनाव!

हरीश गुप्त

बच्चों की ज्यादातर समय सोशल मीडिया से चिपके रहने की बढ़ती आदत को लेकर दुनिया भर में माता-पिता चिंतित हैं। नीति निर्माता इस बात पर बहस कर रहे हैं कि फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप्प आदि के बढ़ते प्रभाव को कैसे कम किया जाए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मंत्री और शीर्ष नेता सरकारी फैसलों और कार्यक्रमों को जनता के बीच प्रचारित करने के लिए इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं। सभी केंद्रीय मंत्रियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने मंत्रालय के निर्णयों को जल्दी से जल्दी इन प्लेटफॉर्मों पर अपलोड करें। यदि विपक्षी दलों का कोई नेता सरकार के किसी फैसले पर प्रतिकूल टिप्पणी करता है, तो संबंधित मंत्री से बिना देर किए प्रतिक्रिया की उम्मीद की जाती है। कुछ ही समय में ऐसी प्रतिकूल टिप्पणियों की निंदा करने के लिए अन्य भाजपा नेताओं की एक श्रृंखला भी तैनात की जाती है। दरअसल, किसी भी अन्य पार्टी ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का पूरा उपयोग नहीं किया है। प्रत्येक मंत्रालय और विभाग के पास सोशल मीडिया हैंडलर्स की एक श्रृंखला होती है जो सहायता के लिए सातों दिन चौबीसों घंटे तैयार रहते हैं। लेकिन ऐसे सभी ट्वीट और पोस्ट को मंत्रालय में उच्चतम स्तर पर मंजूरी दी जाती है और मंत्री हमेशा तनाव में रहते हैं। पार्टी का सोशल मीडिया विभाग चौबीसों घंटे काम करता है और इन प्लेटफार्मों पर ऐसी सभी गतिविधियों पर नजर रखता है। वास्तव में, मोदी सरकार के तहत पार्टी और सरकार के बीच संचार माध्यमों का वस्तुतः विलय कर दिया गया है। भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख अनिल बलूनी चौबीसों घंटे उत्पन्न होने वाली स्थितियों पर एक आम मीडिया प्रतिक्रिया तैयार करने के लिए मंत्रियों और पार्टी नेताओं के साथ समन्वय करते हैं। इस रणनीति से भाजपा को भरपूर लाभ होगा। आगे बड़ा काम पार्टी और भाजपा शासित राज्य सरकारों के बीच तालमेल विकसित करना है जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। यह सुनने में अजीब लग सकता है लेकिन सच लगता है। मोदी के कई अनुयायियों का मानना है कि भगवान राम ने 22 जनवरी को अयोध्या में 'प्राणप्रतिष्ठा' के बाद से प्रधानमंत्री को आशीर्वाद दिया है। प्राणप्रतिष्ठा से पहले, ऐसा लग रहा था जैसे भाजपा और इंडिया गठबंधन के दलों के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कड़ी टक्कर होने वाली है। टिप्पणीकार कह रहे थे कि लोकसभा चुनाव में एनडीए 300 से अधिक सीटें बरकरार रख सके तो वह भाग्यशाली होगी। लेकिन 22 जनवरी के बाद मोदी की किस्मत बदल गई। ऐसा लगता है कि पीएम पर दैवीय आशीर्वाद है क्योंकि एक के बाद एक दल इंडिया गठबंधन छोड़ने लगे। पहला झटका बिहार से लगा जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक नाटकीय घटनाक्रम में इंडिया गठबंधन को छोड़ने का फैसला किया और वापस भाजपा में चले गए। जैसे कि यह पर्याप्त नहीं था, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने इस गड़बड़ी के लिए खासतौर पर राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। यह घटनाक्रम कांग्रेस के रणनीतिकारों के स्पष्ट आकलन के बावजूद आया कि पश्चिम बंगाल में सीपीएम का वोट कांग्रेस या टीएमसी को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। यदि कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन होता है, तो सीपीएम वोट विभिन्न समूहों में विभाजित हो जाएगा।

दंगल की एक्ट्रेस सुहानी भटनागर का 19 साल में निधन

मनोरंजन के दुनिया से एक बेहद बुरी खबर आई है. आमिर खान स्टारर सुपरहिट फिल्म दंगल में छोटी बबीता फोगाट का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस सुहानी भटनागर का 19 साल की उम्र में निधन हो गया है. सुहानी पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं. सुहानी का एम्स में इलाज चल रहा था, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी डॉक्टर उन्हें बचा नहीं पाए और सुहानी इस दुनिया को अलविदा कह गई. सुहानी के जाने से पूरी बॉलीवुड गमगीन है और उनके फैंस को गहरा झटका लगा है. सुहानी का एक लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ है.

उड़ान में अपनी भूमिका के लिए मशहूर कविता चौधरी का 67 साल की उम्र में निधन

दूरदर्शन के धारावाहिक उड़ान में आईपीएस अधिकारी कल्याणी सिंह की भूमिका के लिए मशहूर अभिनेत्री कविता चौधरी का 15 फरवरी को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 67 वर्ष की थीं। कविता चौधरी के भतीजे अजय सयाल ने बताया कि वह पिछले तीन-चार दिनों से अमृतसर के पार्वती देवी अस्पताल में भर्ती थीं। गुरुवार रात 8.30 बजे इसी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। वह काफी समय से बीमार थीं और उनका इलाज चल रहा था। अभिनेत्री सुचित्रा वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस दुखद खबर पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत अभिनेत्री के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उनकी पहली मुलाकात का भी जिक्र है।

उन्होंने लिखा जब मैं यह खबर आप सभी के साथ साझा कर रही हूं तो मेरा दिल भारी महसूस हो रहा है। पिछली रात, हमने शक्ति, प्रेरणा और अनुग्रह की प्रतीक - कावेता चौधरी को खो दिया। जो लोग 70 और 80 के दशक में बड़े हुए, उनके लिए वह डीडी पर उड़ान श्रृंखला और प्रतिष्ठित सर्फ विज्ञापन का चेहरा थीं, लेकिन मेरे लिए, वह उससे कहीं अधिक थीं।

कविता चौधरी के साथ अपनी पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, %%मैं कविताजी से पहली बार एक सहायक निर्देशक के साक्षात्कार के लिए वर्सोवा में उनके साधारण निवास पर मिली थी। मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि मैं स्वयं उस किंवदंती से मुठभेड़ करने वाली थी। जैसे ही उसने अपना दरवाज़ा खोला, सर्फ विज्ञापन से उसकी भाईसाहब पंक्ति की यादें मेरे दिमाग में गूंज उठीं, और मैं इसे ज़ोर से बोलने से नहीं रोक सकी। उस पल ने एक ऐसे बंधन की शुरुआत को चिह्नित किया जो महज़ दोस्ती से आगे निकल गया। वह मेरी गुरु, मेरी मार्गदर्शक, मेरी आध्यात्मिक गुरु बन गईं और सबसे बढ़कर, वह परिवार बन गईं। उन्होंने आगे लिखा कि कावेताजी सिर्फ महिला सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं थीं। वह जीवित रही और उसमें सांस ली। उनके काम ने अनगिनत महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया, खासकर भारतीय पुलिस सेवाओं में। सशक्तिकरण की उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी। जबकि मुझे यह जानकर सांत्वना मिलती है कि वह अब दर्द से मुक्त हो गई है, यह जानकर मेरा दिल टूट जाता है कि वह अब कभी भी मेरी कॉल नहीं उठाएगी। उन्होंने कहा, उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले। उन्होंने आगे लिखा उनकी याद में, मैं आपको एक उद्धरण के साथ छोड़ती हूं जो इस उल्लेखनीय महिला के सार को समाहित करती है- उसकी रोशनी पृथ्वी पर कम हो सकती है, लेकिन उसकी आत्मा ऊपर के स्वर्ग में उज्ज्वल चमकती है। अलविदा, प्रिय कवेता महोदया। उन्होंने अपने नोट के अंत में कहा, आप हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे।

बंगाली अभिनेत्री अंजना भौमिक 79 साल की उम्र में निधन

दिग्गज बंगाली अभिनेत्री अंजना भौमिक का निधन हो गया है। अभिनेत्री सांस संबंधी समस्या से जूझ रही थीं। तबीयत नासाज होने के बाद परिजनों ने उन्हें शुक्रवार रात दक्षिण कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया। शनिवार सुबह 79 वर्षीय अंजना ने दुनिया को अलविदा कह दिया। अंजना रिश्ते में अभिनेता जिशु सेनगुप्ता की सास लगती थीं।

हनुमान 2 से पहले तेजा सज्जा ने शुरू की अपनी नेक्स्ट एक्शन एडवेंचर फ़िल्म की शूटिंग

हनुमान के बाद तेजा सज्जा डिमांड में हैं । जहां तेजा सज्जा की पिछली हिट फ़िल्म हनुमान का सीक्वल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, इसी बीच उन्होंने एक और फ़िल्म साइन कर ली है। तेजा सज्जा की अगली फ़िल्म एक एक्शन एडवेंचर फ़िल्म है जिसमें वह अपनी पिछली फ़िल्म से अलग एकदम नए अवतार में नज़र आने वाले हैं। तेजा ने कहा, आपको यह कैसे पता चला सर ? ये सच है। मैं अब एक एक्शन-एडवेंचर की शूटिंग कर रहा हूं, जहां मुझे हाई-ऑक्टेन स्टंट करने को मिलेंगे । इसमें एक से बढ़कर एक एक्शन सीन देखने को मिलेंगे। तेजा, जो अपनी पिछली रिलीज हनुमान की बॉक्स ऑफिस सक्सेस के बाद सबसे डिमांडिंग अभिनेता में से एक बन गए हैं, ने अपनी फ़िल्म के बारें में बताया, यह निर्माता पीपल मीडिया फैक्ट्री की एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। वर्तमान समय में सेट इस फ़िल्म में हमारे इतिहास का थोड़ा सा अंश है। जब तेजा से उनके सह-कलाकारों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह आश्चर्य की बात होगी, सर । इसमें तेलुगु सिनेमा का एक जाना-माना हीरो खलनायक की भूमिका निभा रहा है और दूसरा सुपरस्टार दूसरा मैन लीड प्ले कर रहा है। इसका निर्देशन कार्तिक घट्टामनेनी करेंगे, जिन्होंने हाल ही में ईगल का निर्देशन किया था । फ़िल्म एक साल में पूरी हो जाएगी और फिर मैं हनुमान 2 पर काम शुरू करूंगा । मैं आपको बस इतना ही बता सकता हूं, सर । इसके बाद उन्होंने कहा, एक और बात। मैं हनुमान से इस फ़िल्म में बिल्कुल अलग अवतार में नजर आऊंगा ।

आलिया की पोचर का ट्रेलर रिलीज, रोंगटे खड़े कर देगा का एक-एक सीन

आलिया भट्ट और अमेज़ॅन प्राइम वीडियो ने गुरुवार को पोचर नामक मूल अपराध थ्रिलर सीरीज के ट्रेलर का अनावरण किया। आगामी वेब सीरीज एमी पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता रिची मेहता द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित है, जो भारत के सबसे बड़े अपराध रैकेटों में से एक की कहानी बताती है। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित मानी जाने वाली पोचर सबसे बड़ी हाथीदांत शिकार की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें क्रूर हत्याएं, मूक पीड़ित और अपराध की पहले कभी नहीं देखी गई%दुनिया शामिल है।

आगामी क्राइम थ्रिलर श्रृंखला में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू और दिब्येंदु

भट्टाचार्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पोचर का निर्माण क्यूसी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है और आलिया भट्ट उनके बैनर इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के साथ कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हैं।

पोचर का प्रीमियर 23 फरवरी को न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर होगा। इसे हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सहित विभिन्न भाषाओं में स्ट्रीम किया जा सकता है, और 35 से अधिक भाषाओं में उपशीर्षक होंगे। सोशल मीडिया पर ट्रेलर जारी होने के तुरंत बाद, नेटिज़न्स ने इस पर अपने विचार व्यक्त करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, %%ओह हां! इस अद्भुत परियोजना को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।%% दूसरे ने लिखा- आलियाभट्ट यह एक संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसके बारे में बात की जानी चाहिए! बधाई हो टीम!%% एक तीसरे उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, इस उत्कृष्ट कृति को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। पपराज़ो विरल भयानी ने गुरुवार को ट्रेलर लॉन्च इवेंट से कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इस कार्यक्रम में प्राइम वीडियो के निदेशक सुशांत श्रीराम, प्राइम वीडियो में कंटेंट लाइसेंसिंग के निदेशक मनीष मेंघानी और वेब श्रृंखला के निदेशक रिची मेहता के साथ आलिया भट्ट भी मौजूद थीं। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मुख्य कलाकार निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यूज और दिब्येंदु भट्टाचार्य भी मौजूद थे।

पुष्पाः द रूल के बाद मेकर्स लेकर आएंगे फिल्म का तीसरा भाग!

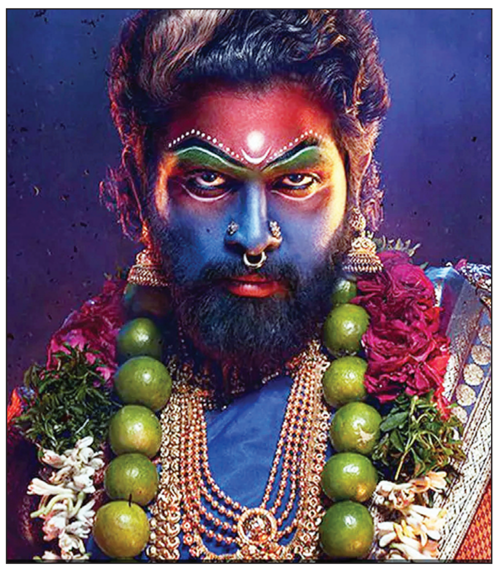

अभिनेता अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म %पुष्पाः द रूल को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से जारी है। हाल ही में अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने बर्लिनले फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे। इस फिल्म फेस्टिवल में पुष्पा: द राइज का प्रीमियर आयोजित किया गया। इस दौरान अल्लू अर्जुन ने फेस्टिवल को संबोधित भी किया और पुष्पा 3 की संभावना को लेकर दिलचस्प खुलासे किए। फेस्टिवल में अल्लू अर्जुन ने कहा, आप निश्चित रूप से पुष्पा के तीसरे भाग की उम्मीद कर सकते हैं। हम इसे एक फ्रेंचाइजी बनाना चाहते हैं और इसे आगे बढ़ाने के लिए हमारे पास कई बड़ी योजनाएं हैं। अभिनेता के इस बयान के बाद फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। फैंस ये जानने के लिए बेताब हैं कि निर्देशक सुकुमार ने पुष्पा फ्रेंचाइजी की कहानी कैसे आगे बढ़ाएंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले पुष्पा द राइज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अभिनेता फहद फासिल ने भी फिल्म के तीसरे भाग की संभावना जताई थी। एक साक्षात्कार में फहद ने कहा था कि जब सुकुमार ने पहली बार स्क्रिप्ट सुनाई थी तब यह सिर्फ एक फिल्म थी, लेकिन पुष्पा को बनाने के दौरान हमारे पास इतनी चीजें इकट्ठी हो गई कि फिल्म दो हिस्सों में बंट गई।

फहद ने यह भी कहा था कि सुकुमार के पास इसे फ्रेंचाइजी बनाने के लिए पर्याप्त योजनाएं है। गौरतलब है कि अल्लू अर्जुन इन दिनों फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग में व्यस्त है। पुष्पाः द रूल में अल्लू अर्जुन पुष्पा राज और और फहद फासिल भंवर सिंह शेखावत की भूमिका में पर्दे पर वापस लौट रहे हैं। फिल्म में रश्मिका मंदाना, सुनील, अनसूया जैसे कलाकारों की भी वापसी हो रही है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिलहाल मेकर्स तय समय पर फिल्म की शूटिंग खत्म करके इसे दर्शकों के सामने पेश करने की तैयार में जुटे हुए हैं।

डर के लिए शाहरुख नहीं थे यश चोपड़ा की पहली पसंद, पहले राहुल मेहरा का रोल

बॉलीवुड में जब भी रोमांस किंग का नाम लिया जाता है, तो उसमें शाहरुख खान सबसे टॉप पर होते हैं, जिन्होंने दर्जनों रोमांटिक फिल्में की हैं. लेकिन शाहरुख खान

सिर्फ रोमांस ही नहीं बल्कि निगेटिव किरदार के लिए भी मशहूर हैं. खासकर 1993 में आई उनकी फिल्म डर ने उन्हें एक अलग मुकाम पर पहुंचा. इस फिल्म में शाहरुख खान के निगेटिव किरदार से भी लोगों को प्यार हो गया था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यश चोपड़ा ने ये फिल्म पहले शाहरुख खान को नहीं बल्कि 90 के दौर के उस सुपरस्टार को ऑफर की थी जिन्होंने अपनी आशिकी से लोगों के दिलों में जगह बनाई थी. लेकिन इस एक्टर ने इस फिल्म को ठुकरा कर अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती की.

यश चोपड़ा की फिल्म डर को लेकर कई एक्टर्स के मन में सवाल थे. ये फिल्म पहले आमिर खान और सलमान खान को ऑफर की गई थी, लेकिन निगेटिव किरदार की वजह से दोनों ने फिल्म करने से इनकार कर दिया था. इसके बाद आशिकी फिल्म में नजर आए राहुल रॉय को डर फिल्म ऑफर की गई, लेकिन अपने पर्सनल रीजन के कारण वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाए. आज भी उन्हें इस फिल्म को छोड़ने का मलाल है. सलमान, आमिर और राहुल के बाद ये फिल्म शाहरुख खान को ऑफर की गई और शाहरुख ने ना आव देखा न ताव और इस फिल्म के लिए हां कर दी. ये फिल्म उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में से एक बनी. इस फिल्म में शाहरुख खान के अलावा सनी देओल और जूही चावला भी लीड रोल में थे. इस फिल्म के लिए शाहरुख को बेस्ट निगेटिव रोल का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था. राहुल रॉय ने 1990 में फिल्म आशिकी से अपने करियर की शुरुआत की और वो इस फिल्म से रातों-रात सुपरस्टार बन गए, इसके बाद उन्होंने जुनून, फिर तेरी कहानी याद आई, सपने साजन के, प्यार का साया जैसी कई फिल्मों में काम किया लेकिन कोई भी फिल्म आशिकी जितनी सुपरहिट नहीं हो पाई. कुछ समय पहले द कपिल शर्मा शो में राहुल रॉय ने अपनी उस गलती का जिक्र किया था जब अर्चना पूरन सिंह ने उनसे पूछा था कि आपको किसी फिल्म को रिजेक्ट करने का पछतावा है? तो राहुल रॉय ने बताया था कि एक फिल्म आई थी मेरे पास, यश चोपड़ा जी और लेखक हनी त्रेहन जी से बात हुई. वो फिल्म बाद में डर नाम से बनी, राहुल का जो किरदार था जिसे शाहरुख खान ने किया वह मेरे लिए लिखा गया था उसे न करने का मुझे आज भी बहुत पछतावा है.

अदा कॉमेडी मर्डर मिस्ट्री की रोलरकोस्टर सवारी में सुनील के साथ शामिल

सुनील ग्रोवर-स्टारर सनफ्लावर सीज़न 2 के निर्माताओं ने गुरुवार को ट्रेलर का अनावरण किया। क्राइम कॉमेडी के दूसरे सीज़न का दिलचस्प ट्रेलर, सनफ्लावर की दिलचस्प दुनिया की एक आकर्षक झलक पेश करता है, जो मुंबई में विचित्र पात्रों से भरी एक मध्यमवर्गीय हाउसिंग सोसाइटी है। सुनील ग्रोवर गूढ़ सोनू सिंह के रूप में अपनी भूमिका दोहराएंगे, एक बार फिर हास्य और रहस्य का तड़का लगाएंगे, जबकि अदा शर्मा रोजी मेहता के रूप में पहले से ही शानदार कलाकारों के साथ अपना आकर्षण जोड़ती हैं।

2 मिनट 30 सेकंड का ट्रेलर वहीं से शुरू होता है जहां हमने छोड़ा था जब पुलिस जोड़ी डीजी और तांबे, रणवीर शौरी और गिरीश कुलकर्णी द्वारा अभिनीत, श्री कपूर के हत्यारे की लगातार तलाश जारी रखते हैं। जैसा कि ट्रेलर में देखा गया है, नए सीज़न में सबसे पसंदीदा हत्या के संदिग्ध की वापसी होगी, आहूजा (मुकुल चड्ढा द्वारा अभिनीत) का कबूलनामा और रोजी का सनफ्लावर सोसायटी में प्रवेश होगा। रोज़ी एक मनमोहक बार डांसर है, जिसे कपूर (अश्विन कौशल) का पेंटहाउस विरासत में मिला है, जिससे इस मामले पर और अधिक सवाल उठ रहे हैं और यह सुर्खियों में है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, सोनू और रोजी के बीच प्यार और रोमांस पनपेगा। सीज़न दो के बारे में बात करते हुए, सुनील ने व्यक्त किया- सनफ्लावर 2 में अधिक रहस्य है, रोमांच और हँसी से भरा है, जबकि जटिल पात्रों का परिचय दिया गया है। मुझे विशेष रूप से ऐसे बहुस्तरीय किरदार निभाने में आनंद आता है क्योंकि इससे चरित्र को और अधिक जानने का मौका मिलता है। इसका उद्देश्य साज़िश और रहस्य की परत जोड़ते हुए इस सीज़न को हल्का-फुल्का रखना था। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अदा शर्मा ने कहा, मेरा किरदार, रोज़ी कहानी में एक नई परत जोड़ता है। रोज़ी रहस्यमयी और बहुत तेज़ है। वह बहुत आकर्षक है तथापि वह हर पुरुष के बुरे सपने की महिला है। रोज़ी सनफ़्लावर सोसायटी में रहने आती है और सभी के जीवन को उलट-पुलट कर देती है। ए गुड कंपनी प्रोडक्शन के सहयोग से रिलायंस एंटरटेनमेंट और सिनर्जी द्वारा निर्मित इस शो में आशीष विद्यार्थी भी हैं।

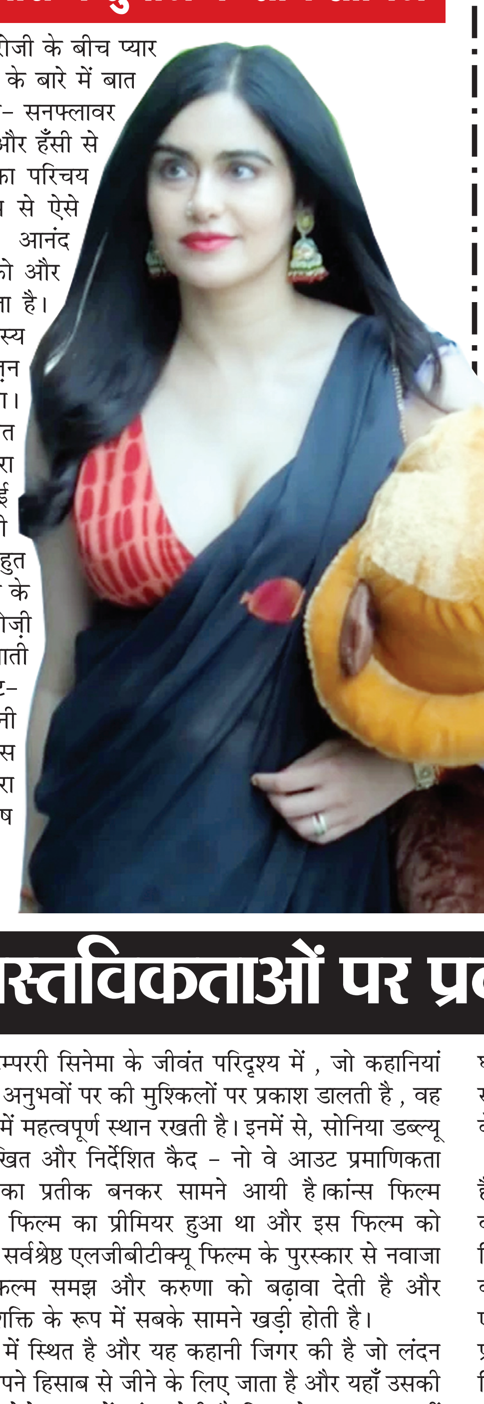

राजकुमार संतोषी की लाहौर 1947 में दमदार विलेन बने अभिमन्यु सिंह ; सनी देओल से होगा ख़तरनाक मुक़ाबला

राजकुमार संतोषी की अगली फिल्म लाहौर 1947 को लेकर हर दिन एक नई अपडेट सामने आ रही है। इस फिल्म में जहां सनी देओल मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे, वहीं राजकुमार संतोषी, आमिर खान और सनी की तिकड़ी को ये पहली बार साथ लेकर आई है। अब इस फिल्म में विलेन के किरदार के लिए एक्टर अभिमन्यु सिंह फाइनल किए जा चुके हैं। इस पर बात करते हुए फिल्म के निर्देशक राजकुमार संतोषी ने कहा हैं, आमतौर पर, जब भी हम किसी खलनायक के किरदार के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले कुछ नाम अमरीश जी और डैनी जी आते हैं, लेकिन हमें आगे देखना होगा और देखना होगा कि कौन आगे की कमान संभालता है। दिलचस्प बात यह है कि हमने अभिमन्यु सिंह को शामिल किया है जो लाहौर 1947 में खलनायक के रूप में एक मजबूत और मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनकी इंटेंसिटी, उनकी आवाज और उनका दृढ़ विश्वास वास्तव में बेजोड़ है। वह यकीनन हमारी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं। अभिमन्यु सिंह मुख्य रूप से हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषा की फिल्मों में काम करते हैं। उनके पास लक्ष्य, ढोल, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा!, गोलियों की रासलीला राम-लीला, बच्चन पांडे, किसी का भाई किसी की जान जैसी कई अन्य फिल्मों में काम करने का व्यापक अनुभव है। उन्होंने हमेशा अपनी भूमिकाओं से दर्शकों को प्रभावित किया है और अब लाहौर 1947 में उन्हें विलेन के रूप में देखना यकीनन शानदार अनुभव होगा।

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की रियल एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का टाइटल ट्रैक 19 फरवरी को होगा रिलीज

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां ने अपने रिलीज़ हुए टीज़र में अपने ख़तरनाक एक्शन की झलक तो दे दी और अब फ़िल्म के गानों की बारी है । बड़े मियां छोटे मियां का टाइटल ट्रैक 'बड़े का स्वैग, छोटे का स्टाइल' 19 फरवरी को रिलीज होने वाला है । अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ गाने का फ़र्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ कर फ़ैंस का उत्साह बढ़ा दिया है । अनाउंसमेंट पोस्टर रिलीज करते हुए एक्शन डुओ अक्षय और टाइगर ने लिखा, बड़े का स्वैग, छोटे का स्टाइल 3 दिन बाकी!

कैद - नो वे आउट का ट्रेलर एलजीबीटीक्यू + वास्तविकताओं पर प्रकाश डालता है

आज के कंटेम्पररी सिनेमा के जीवंत परिदृश्य में , जो कहानियां एलजीबीटीक्यू + अनुभवों पर की मुश्किलों पर प्रकाश डालती है , वह कहानियां सिनेमा में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इनमें से, सोनिया डब्ल्यू कोहली द्वारा लिखित और निर्देशित कैद - नो वे आउट प्रमाणिकता और सहानुभूति का प्रतीक बनकर सामने आयी है।कांन्स फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का प्रीमियर हुआ था और इस फिल्म को 2023 में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ एलजीबीटीक्यू फिल्म के पुरस्कार से नवाजा गया था। यह फिल्म समझ और करुणा को बढ़ावा देती है और स्टोरीटेलिंग की शक्ति के रूप में सबके सामने खड़ी होती है।

फिल्म लंदन में स्थित है और यह कहानी जिगर की है जो लंदन अपनी ज़िन्दगी अपने हिसाब से जीने के लिए जाता है और यहाँ उसकी किस्मत उसे एक ऐसे जाल में फंसा देती है जिस से वह बाहर नहीं निकल पाता।

फिल्म में काफी प्रभावशाली एक्टर है और यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक कहानी को जीवंत करती है, जो दर्शकों को सामाजिक पूर्वाग्रह और भेदभाव से जूझ रहे एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों के जीवन में एक गहन यात्रा का वादा करती है।

इस फिल्म का मकसद सिर्फ ऑडियंस का एंटरटेनमेंट करना नहीं है बल्कि एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली कठोर वास्तविकताओं का सामना करना है। उन लोगों को इस समाज में जज किया जाता है।सोनिया कोहली ने बहुत ही सावधानीपूर्वक यह कहानी कही और और सूक्ष्म चरित्र चित्रण के माध्यम से, उन्होंने दर्शकों को एलजीबीटीक्यू+ समुदाय की खुशियों, संघर्षों और जीत की एक झलक प्रदान की है। इसके साथ साथ ही सहानुभूति और समझ को बढ़ावा दिया है। ट्रेलर देखने के बाद मालूम पड़ता है कि फिल्म %कैद% के माध्यम से समाज में एक सवाल उठाया जाएगा और परिवर्तन लाने की बात जरूर की जाएगी। कुनिष्का प्रोडक्शंस लिमिटेड द्वारा निर्मित, यह फिल्म 23 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

ज्योतिरादित्य सिंधिया को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनके राज्यसभा निर्वाचन में गलत जानकारी देने के आरोप लगाते हुए निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। यह याचिका पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गोविंद सिंह ने दायर की थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अपनी परंपरागत गुना-शिवपुरी सीट से भाजपा से चुनाव हार गए। इसके बाद उन्होंने कमलनाथ की सरकार को गिराकर भाजपा की सदस्यता ले ली और भाजपा की सरकार बनवा दी। बदले में भाजपा ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया। उनके राज्यसभा के लिए भरे गए नामांकन पत्र को चुनौती देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में याचिका दायर की थी।

लालू के दरवाजे खुला वाले बयान पर नीतीश का जवाब

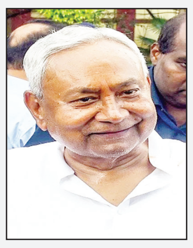

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि वह विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखने के पक्ष में नहीं थे और उनके मन में कुछ और था। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और आरएलडी प्रमुख जयंत सिंह के इंडिया गठबंधन से दूर होने की खबरों के बीच, नीतीश कुमार ने कहा मैंने भरसक कोशिश की। मैं गठबंधन के लिए इस नाम के पक्ष में भी नहीं था क्योंकि मेरे मन में कुछ और था... गठबंधन काफी पहले हो चुका था... अब मैं बिहार के लोगों के लिए काम कर रहा हूं और करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि अब कुछ नहीं चल रहा, सब खत्म हो गया है। लालू यादव के दरवाजे खुले वाले बयान पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह मत सोचिए कि कौन क्या कहता है... चीजें ठीक नहीं चल रही थीं, इसलिए मैंने उन्हें (आरजेडी) छोड़ दिया।

16 मार्च को किसी भी हालत में हो जाउंगा पेश : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उनके खिलाफ उत्पाद शुल्क नीति मामले में पांच समन छोड़ने की हालिया शिकायत के संबंध में 16 मार्च को शारीरिक रूप से पेश होने की अनुमति दी, क्योंकि उन्होंने एक विश्वास प्रस्ताव पर बहस का हवाला दिया था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में आज होने वाली विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के कारण वह अदालत के समक्ष शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने कहा, मैं शनिवार को आना चाहता था, लेकिन अचानक यह विश्वास प्रस्ताव आ गया। बजट सत्र भी चल रहा है, जो 1 मार्च तक चलेगा। उसके बाद कोई भी तारीख दी जा सकती है। इसके बाद, अदालत ने केजरीवाल को उसके समक्ष शारीरिक रूप से उपस्थित होने के लिए अगली तारीख 16 मार्च सुबह 10 बजे तय की।

चंद्रबाबू नायडू की मुश्किलें बढ़ीं सीआईडी ने दाखिल की चार्जशीट

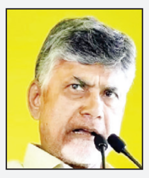

हैदराबाद। 114 करोड़ रुपये के एपी फाइबरनेट घोटाला मामले में आंध्र प्रदेश पुलिस के अपराध जांच विभाग द्वारा दायर आरोपपत्र में तेलुगु देशम पार्टी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू को मुख्य आरोपी नामित किया गया है। शुक्रवार को विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया। नायडू के अलावा, सीआईडी ने अन्य आरोपी व्यक्तियों के रूप में नेट इंडिया, हैदराबाद के प्रबंध निदेशक वी हरि कृष्ण प्रसाद और आईआरटीएस अधिकारी के संबाशिव राव को भी नामित किया। सीआईडी ने एक बयान में कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नायडू के पास ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और निवेश विभाग का प्रभार था। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से फाइबर नेट परियोजना को क्रियान्वित करने की सिफारिश की थी। इसमें कहा गया है कि एक पसंदीदा कंपनी को 330 करोड़ रुपये के एपी फाइबरनेट प्रोजेक्ट के चरण -1 का कार्य आदेश आवंटित करने के लिए निविदा प्रक्रिया में हेरफेर किया गया था।

झारखंड में कैबिनेट विस्तार के बाद विधायकों में नाराजगी

रांची। झारखंड में सीएम चंपई सोरेन की सरकार के गठन के 15 दिनों के भीतर कैबिनेट का भी विस्तार हो गया। हालांकि, इस विस्तार के बाद झारखंड सरकार के सामने नया संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। कई कांग्रेस विधायकों में नाराजगी है। कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने कहा कि हम कुल मिलाकर 12 लोग हैं। हमने एक पत्र के माध्यम से अपनी चिंता अपने पीसीसी अध्यक्ष के साथ साझा की है। हमारी मांग पहले जैसी ही है। उन्होंने कहा कि शपथ समारोह में शामिल होने का मतलब यह नहीं है कि हम अपनी मांगों को भूल गए हैं। हम केवल हमारी चिंताओं के बारे में अपनी पार्टी को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि कैबिनेट विस्तार होने से पहले हमने अपने विचार रखे थे... हमारी मांग थी कि अगर नई सरकार बन रही है और कैबिनेट में फेरबदल हो रहा है तो नए चेहरों को मौका देना चाहिए था।

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद की बैठक शुरू

370 सीट जीतकर श्यामा प्रसाद को श्रद्धांजलि देंगे भाजपा कार्यकर्ता : मोदी

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद की बैठक शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शुरू हुई। इसका उद्देश्य आगामी 2024 लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत राजनीतिक अभियान की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक में देश भर से आए लगभग 11,500 भाजपा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में प्रदर्शनी का भी दौरा किया। पीएम ने राष्ट्रीय पधाधिकारी बैठक में कहा कि बीजेपी की ओर से पीएम उम्मीदवार कमल का फूल होगा। 370 सीट जीत कर श्यामा प्रसाद जी को भाजपा कार्यकर्ता श्रृद्धांजलि देंगे।

मोदी ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हर बूथ से 370 अतिरिक्त वोट हासिल करने का प्रयास होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' है, उन्होंने सदस्यों से इसकी जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की 370 लोकसभा सीटों पर जीत श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए लड़ाई लड़ी। पदाधिकारियों की बैठक की जानकारी देते हुए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा, पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी को 370 और एनडीए को 400 (सीटें) मिलेंगी, जहां 370 सिर्फ एक संख्या नहीं बल्कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को हमारी ओर से श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि हमारा अभियान विकास और गरीबों के कल्याण और देश को दुनिया में गौरवान्वित करने पर केंद्रित होगा, हमें इन बातों को लोगों तक ले जाना है। तावड़े ने बताया कि प्रधानमंत्री ने बैठक में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों को लेकर कहा कि उम्मीदवार भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' का फूल होगा।

रेन्द्र मोदी शनिवार से आरंभ होने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत मंडपम पहुंचे जहां पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। प्रधानमंत्री ने उनका अभिवादन किया और फिर विकसित भारत की अवधारणा पर आधारित विकसित भारत प्रदर्शनी का मुआयना किया। प्रतिनिधियों के लिए बैठक स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी के भारत को विकसित देश बनाने के दृष्टिकोण और उनकी सरकार द्वारा लोगों के कल्याण और देश की प्रगति के लिए किए गए कार्यों को दर्शाया गया है।

पिछला दशक पीएम मोदी की उपलब्धियों से भरा रहा : जेपी नड्डा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछला दशक भाजपा के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में पांच राज्यों में भाजपा की सरकार थी, लेकिन फिलहाल 12 राज्यों में भाजपा और 17 राज्यों में राजग सत्तारूढ़ है। नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 10 प्रतिशत वोट और तीन सीट से बढ़कर 38.5 प्रतिशत वोट और 77 सीट पर पहुंच गई; हम अगली बार राज्य की सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि ये हम सब के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं। आज एक माहौल में हम एकत्र हुए हैं, जहां हमें पीछे भी जीत दिखी है और आगे भी जीत मिलेगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि आज हम सब के बीच में हमारे नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, जिन्होंने देश को, पार्टी को, समाज को नेतृत्व प्रदान कर राजनीति में नया आयाम स्थापित किया। मैं अपने प्रधानमंत्री का स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि 7 दशक के भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में हमने हर कालखंड देखा है। हमने संघर्ष का काल देखा है, हमने उपेक्षा का काल देखा है, जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ने वाला काल देखा है, हमने आपातकाल देखा है, चुनाव में हारने और जीतने का काल भी देखा है। लेकिन हमें इस बात की खुशी है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछला दशक जो गुजरा, वो उपलब्धियों से भरा हुआ है। नड्डा ने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। 2014 से पहले हमारी सिर्फ 5 प्रदेशों में सरकारें थी और लंबे समय तक हम 5-6 पर रूके हुए थे। 2014 के बाद, आज 17 प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं और 12 प्रदेशों में विशुद्ध भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोग हमारा उपहास करते थे, कहते थे कि साहब तो आप पूरी सरकार बनाएंगे, वो सोचते थे कि ये संभव नहीं है। लेकिन 2014 के बाद हमारी सरकार बनी और 2019 में फिर से हमारी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि पार्टी लंबी वैचारिक यात्रा भी पूरी की है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसने 1951 में जो कहा 2023-24 में भी उसी बात पर टिकी रही। कोई राजनीतिक पार्टी ऐसी नहीं है, जिसका वैचारिक अधिष्ठान टिका रहा हो। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राजनीतिक कारणों से जो महिला आरक्षण बिल 3 दशकों से पास नहीं हो पाया था, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वही नारी शक्ति वंदन अधिनियम मात्र 3 दिन में पास हो गया। कुछ लोगों ने हमारा उपहास किया कि मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे। राम मंदिर का निर्माण हुआ, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की... आप आए नहीं ये आपके कर्म थे।

भाजपा ज्वॉइन करने के सवाल पर कमलनाथ ने दी प्रतिक्रिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने अपने भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर पहली प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह भाजपा में जाएंगे या नहीं। दरअसल, जब शनिवार को मीडिया का सामना करने के दौरान पत्रकारों ने पूछा कि क्या आप बीजेपी ज्वॉइन कर रहे हैं तो उन्होंने कहा आप सभी उत्साहित क्यों हो रहे हैं? यह इनकार करने के बारे में नहीं है। अगर ऐसा कुछ है तो मैं आप सभी को सूचित करूंगा।

वह आज दोपहर में दिल्ली पहुंचे। कमलनाथ पिछले कुछ दिनों से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के दौरे पर थे, जहां से वह नौ बार सांसद रहे हैं। उनके पुत्र नकुल नाथ वर्ष 2019 के चुनाव में इस सीट से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। दिल्ली पहुंचने के बाद कमलनाथ ने भाजपा में शामिल होने की संभावना से जुड़े सवालों पर संवाददाताओं से कहा, ''आप लोग बहुत उत्साहित हो रहे हैं। यह मैं नहीं कह रहा हूं, आप लोग कह रहे हैं। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को जानकारी दूंगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं उत्साहित नहीं हूं, ना इस तरफ, ना उस तरफ। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को खबर करूंगा।''

कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने कल रात साढ़े 10 बजे कमलनाथ से बात की, वह छिंदवाड़ा में हैं।'' सिंह ने कहा, ''एक व्यक्ति जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस से शुरू की और जब इंदिरा गांधी को जनता पार्टी द्वारा जेल भेजा गया तो वह नेहरू-गांधी परिवार के साथ खड़ था, क्या आपको लगता है कि ऐसा व्यक्ति कभी कांग्रेस और गांधी परिवार को छोड़ेगा?''

ऐसा कहा जाता है कि कमलनाथ राज्यसभा सीट नहीं मिलने से नाराज हैं और पिछले साल के आखिर में पार्टी के विधानसभा चुनाव हारने के बाद से राहुल गांधी भी उनके विरोध में हैं। विधानसभा चुनाव में

हार के बाद कमलनाथ को पार्टी की मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से मुक्त कर दिया गया था और उनके स्थान पर जीतू पटवारी को जिम्मेदारी सौंप गई थी। मध्य प्रदेश में भाजपा ने 230 सदस्यीय सदन में 163 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी और कांग्रेस को सिर्फ 66 सीट से संतोष करना पड़ा।

सोनिया गांधी का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे कमलनाथ : दिग्विजय सिंह

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ जी से मेरी बात हुई है। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। भाजपा में जाने की बातें मनगढ़ंत है और मीडिया की बनाई हुई है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ कभी भी सोनिया गांधी का साथ छोड़कर नहीं जा सकते। जो डर रहे हैं या बिक रहे हैं, वह भाजपा में जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में कहा कि यह कोई प्लान नहीं है। कमलनाथ तो छिंदवाड़ा में है। मीडिया जब तक किसी बात को सनसनीखेज नहीं बनाता, तब तक वह चलता नहीं है। जिस व्यक्ति ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत नेहरू-गांधी परिवार के पीछे खड़े होकर की थी। वह उस समय लड़ रहे थे, जब जनता पार्टी की सरकार इंदिरा को जेल भेजना चाहती थी। क्या आप विचार भी कर सकते हो कि ऐसा आदमी सोनिया गांधी के परिवार या कांग्रेस को छोड़कर जाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

तीसरे दिन का खेल खत्म, भारत की दूसरी पारी में 322 रन की बढ़त

राजकोट। तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट गंवकर 196 रन बना लिए हैं। फिलहाल कुलदीप यादव तीन रन और शुभमन गिल 65 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत को दो झटके रोहित (19) और रजत पाटीदार (0) के रूप में लगे।

वहीं, यशस्वी जायसवाल कमर में दर्द की वजह से 133 गेंद में 104 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। वह अब तक अपनी पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगा चुके हैं। वह आगे बल्लेबाजी के लिए आएंगे या नहीं इस पर बीसीसीआई ने अभी कोई पुष्टि नहीं की है।

इंग्लैंड की ओर से जो रूट और टॉम हार्टले को एक-एक विकेट मिला है। दूसरी पारी में भारत की कुल बढ़त अब तक 322 रन की हो चुकी है। पहली पारी में टीम इंडिया ने 445 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को दूसरी पारी में 126 रन की लीड मिली थी।

भारत को 191 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। रजत पाटीदार खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें टॉम हार्टले ने रेहान अहमद के हाथों कैच कराया। रजत ठीक वही शॉट खेलकर आउट हुए, जैसे पिछली पारी में हुए थे। हार्टले की ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट बॉल पर शॉर्ट आर्म जैब करने के प्रयास में मिड विकेट में कैच थमा बैठे। पिछली पारी में भी हार्टले ने उन्हें ऐसे ही आउट किया था। फिलहाल नाइट वाचमैन कुलदीप यादव और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने राजकोट में अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक जड़ा है। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बैजबॉल की हवा निकाल दी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में जायसवाल ने तूफानी शतक जड़ा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

किसान आंदोलन से रोजाना 500 करोड़ रुपये का नुकसान

नईदिल्ली। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि किसान आंदोलन के लंबा चलने से उत्तरी राज्यों में व्यापार और उद्योग को 'गंभीर नुकसान' पहुंच सकता है। उद्योग मंडल का कहना है कि किसान आंदोलन से रोजगार को भारी नुकसान होने की आशंका है और इससे प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होगा। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा, लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन से प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा। और उत्तरी राज्यों मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के चौथी तिमाही के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग मंडल देश में सभी के कल्याण के लिए आम सहमति के साथ सरकार और किसानों दोनों से मुद्दों के शीघ्र समाधान की आशा करता है।

क्रिप्टोकरेंसी मुद्रा नहीं, जोखिम भरा बिटकॉइन : आरबीआई

मुंबई। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को 'मुद्रा' नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं होता है। आईआईएम कोझिकोड के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, इस पर फैसला आखिरकार सरकार को लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए। वर्तमान में बिटकॉइन को भारत में कोई कानूनी समर्थन नहीं है। निवेशकों को इसमें कारोबार से अर्जित आय पर कर देना पड़ता है। आरबीआई ने बिटकॉइन जैसी नए जमाने की क्रिप्टो मुद्राओं को लेकर आलोचनात्मक रुख अपनाया हुआ है। उसका कहना है कि ये मुद्राएं वित्तीय प्रणालियों के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा करती हैं। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई व प्रतिबंधों पर वासुदेवन ने कहा कि स्व-नियमन वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा कर सकता है।

जीपीटी हेल्थकेयर कंपनी का आईपीओ 22 को खुलेगा

नईदिल्ली। कोलकाता स्थित जीपीटी हेल्थकेयर अपना आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ)लाने की तैयारी में हैं। कंपनी का आईपीओ 22 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ में 40 करोड़ रुपये के नए शेयरों की पेशकश की जाएगी। इसके अलावा, प्राइवेट इक्विटी फर्म BanyanTree Growth Capital II की ओर से 2.6 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल रहेगा। जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड अपना आईपीओ 22 फरवरी से लेकर 26 फरवरी तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। सेबी के पास जमा पेपर्स के अनुसार, एंकर निवेशक इस आईपीओ में 21 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। प्राइवेट इक्विटी फर्म BanyanTree Growth Capital II एलएलसी 2.60 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगा, जो भुगतान की गई इक्विटी का 32.64 प्रतिशत है। इसके साथ ही मॉरीशस स्थित निजी इक्विटी फंड कंपनी से बाहर हो जाएगा।

किसान आंदोलन से दिल्ली में बढ़ सकते हैं सब्जियों के दाम

नईदिल्ली। पंजाब-हरियाणा की सीमा पर किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण सप्लाई चेन बाधित होने की वजह से दिल्ली में सब्जियों की कीमतें बढ़ सकती हैं। बता दें कि किसानों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब से सप्लाई की समस्या के कारण पिछले 15 दिनों में गाजर की कीमतों में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कारण होने वाले व्यवधान से अन्य सब्जियों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, अन्य सब्जियों की कीमतों पर अब तक कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर अपनी मांगें स्वीकार करने के लिए दबाव डालने के लिए दिल्ली चलो का आह्वान किया है।

विपक्ष को स्मार्ट होने की जरूरत, तार्किक आलोचना के साथ विकल्प भी जरूरी

शंकर अय्यर

यह चुनावों से पहले का वह मौसम है, जब राजनेता अंतिम क्षण की लामबंदी के अनुसार अर्थव्यवस्था को आगे रख दावों एवं विवादों पर तीखी बयानबाजी शुरू करते हैं। जहां तक अर्थव्यवस्था की बात है, तो वास्तविकता का रंग न तो श्वेत, न काला, बल्कि भूरा ज्यादा दिखता है। इस हफ्ते की शुरुआत तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा केंद्र द्वारा धन हस्तांतरण में भेदभाव किए जाने के विरोध में एकजुट होने से हुई, जो पहले ही केंद्रीय उपकरों एवं बढ़ते अधिभारों से त्रस्त हैं, जिन्हें राज्यों के साथ साझा भी नहीं किया जाता है। केंद्र सरकार ने तुरंत उनके दावों की निंदा की और इसे देश को बांटने की कोशिश का हिस्सा बताया। दरअसल, जो राज्य अपनी अर्थव्यवस्था का बेहतर ढंग से प्रदर्शन करते हैं, उन्हें एकत्रित संसाधनों का एक छोटा हिस्सा मिलता है। उदाहरण के लिए, करों में प्रत्येक रुपये के योगदान के लिए कर्नाटक को 15 पैसे और तमिलनाडु को 29 पैसे वापस मिलते हैं, जबकि बिहार को 7.06 रुपये और उत्तर प्रदेश को 2.73 रुपये मिलते हैं। जाहिर है कि यदि भाजपा डबल इंजन सरकार का चुनावी प्रलोभन दे रही है, तो विपक्ष भी करों के बंटवारे को भेदभाव के साधन के रूप में प्रस्तुत करने से चूकने वाला नहीं है। उल्लेखनीय है कि हस्तांतरण में फर्क हस्तांतरण के फॉर्मूले के कारण होता है, जिसका आधार यह है कि जो राज्य जितना गरीब और अधिक आबादी वाला होगा, उसे उतना ही अधिक धन मिलेगा।

यह सच है कि आजादी के बाद से भारत का विकास मंत्र यह रहा है कि कम समृद्ध राज्यों को विकास के लिए संसाधनों का अधिक हिस्सा दिया जाए। उदाहरण के लिए,

बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे अधिक आबादी वाले राज्य हैं, जहां प्रति व्यक्ति आय सबसे कम क्रमशः 54,111 रुपये और 83,565 रुपये है और वे अतिरिक्त सहायता के हकदार भी हैं।

इस पूरे हफ्ते अर्थशास्त्र पर राजनीति चलती रही। सरकार ने यूपीए सरकार की कई विफलताओं को सूचीबद्ध करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था पर 59 पृष्ठों का एक श्वेत पत्र जारी किया, जिसका केंद्रीय विषय फिजूलखर्ची और भ्रष्टाचार हैं। और इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे इस सरकार ने अर्थव्यवस्था को नाजुक स्थिति से मजबूती तक पहुंचाया और अमृत काल का मार्ग प्रशस्त किया। कांग्रेस ने भी बगैर देरी किए 'दस साल अन्याय काल' शीर्षक से 54 पृष्ठों का एक काला पत्र जारी करके इसका प्रतिकार किया। सरकार के पास गर्व करने लायक बहुत कुछ है-डिजिटल और भौतिक अवसंरचनाओं को बढ़ावा देने से लेकर राजकोषीय अनुशासन और सुर्खियों में रहने वाले 7.3 फीसदी के सकल घरेलू उत्पाद विकास अनुमान तक। लेकिन जीवनयापन की लागत और आजीविका के मुद्दों से निपटने के लिए इसे संघर्ष करना पड़ा है। लगभग सभी जनमत सर्वेक्षणों में लोगों ने मुद्रास्फीति और बेरोजगारी को अपनी भलाई और भविष्य को प्रभावित करने वाले गंभीर मुद्दों के रूप में रेखांकित किया है। मुद्रास्फीति से संबंधित आंकड़ा बहुत गंभीर है। दिसंबर, 2023 में जब समग्र मुद्रास्फीति 5.7 फीसदी थी, खाद्यान्न मुद्रास्फीति 9.5 फीसदी थी, जो एक साल पहले 4.19 फीसदी थी। ग्रामीण मजदूरी में ठहराव से यह पीड़ा और बढ़ गई। इसका असर कम लागत के उत्पादों पर कॉरपोरेट रिपोर्टिंग और जीडीपी के आंकड़े में भी दिखाई देता है। निजी अंतिम उपभोग व्यय 4.4 फीसदी था, जबकि जीडीपी सात फीसदी से अधिक होने का अनुमान है। सब्जियों की कीमतें 27, दालों की 20, मसालों की 19.6 और अनाज की 9.9 फीसदी तक बढ़ी हैं। दिलचस्प बात यह है कि पोल्ट्री और मांस उत्पादों की कीमतें उतनी नहीं बढ़ी हैं। यह लगभग ऐसा ही है, मानो मुद्रास्फीति शाकाहारी हो गई है। शुक्र है कि सरकार के पास 81 करोड़ नागरिकों के लिए मुफ्त भोजन कार्यक्रम है, अन्यथा स्थिति गंभीर होती। लोगों के मन में बेरोजगारी का विचार उनके अनुभवों और आंकड़ों के बीच के स्थायी विरोधाभास को दिखाता है।

कही-सुनी

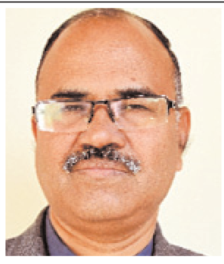

रवि भोई

छत्तीसगढ़ के भाजपाइयों को लगा करंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी चौंकाने वाले फैसले लेती रहती है। इस जोड़ी ने अबकी बार छत्तीसगढ़ के लोगों और भाजपा नेता-कार्यकर्ताओं को भी चौंका दिया। राज्यसभा प्रत्याशी के लिए ऐसे नेता के नाम की घोषणा कर दी, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर रहा था। कांग्रेसी नाड़ी वाले राजा देवेंद्र प्रताप सिंह को भाजपा हाईकमान ने छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में भेजने का फैसला कर दिया। राज्यसभा जाने के लिए सपना देख रहे नेताओं को झटका तो लगा ही, नाम सुनकर दूसरों को भी करंट लग गया। भाजपा के नेता देवेंद्र का नाम सुझाने वाले की तलाश में लग गए हैं। खबर है कि राज्यसभा प्रत्याशी तलाशने केंद्र और राज्य की आठ टीमें लगी थीं। देवेंद्र प्रताप सिंह के पिता और बहन खांटी कांग्रेसी रहे हैं। गोंड आदिवासी देवेंद्र प्रताप सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय सदस्य होने के साथ दो दशक से भाजपा से जुड़े हैं और वर्तमान में रायगढ़ जिले के लैलूंगा से जिला पंचायत सदस्य हैं। ये भाजपा संगठन में भी कई पदों पर रह चुके हैं। रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के बाद अब राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने से कयासों का बाजार गर्म है। माना जा रहा है कि गोंड आदिवासियों को साधने और रायगढ़ लोकसभा में भाजपा की जीत पक्की करने के लिए देवेंद्र का दांव चला गया है। रायगढ़ लोकसभा की आठ विधानसभा सीटों में चार कांग्रेस और चार भाजपा के पास है। कहा जा रहा कि राज्य की आदिवासी जनसंख्या का 56 फीसदी गोंड हैं। ऐसे में गोंड आदिवासियों को संदेश देने के लिए भी यह रणनीति बनाई गई है। पाली-तानाखार विधानसभा सीट में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की जीत से भाजपा को रायगढ़ के अलावा कोरबा, सरगुजा और दूसरे लोकसभा सीटों में भी गोंड आदिवासियों को साधना जरुरी हो गया है।

गुस्से में जनसंपर्क अधिकारी

कहते हैं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को फिर जनसंपर्क संचालक बनाए जाने से समाचार बनाने और छपवाने वाले अधिकारी इन दिनों नाराज चल रहे हैं। कहा जा रहा है जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने अब तक नए साहब का औपचारिक स्वागत भी नहीं किया है। वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों के रहते डिप्टी कलेक्टर को पुनः जनसंपर्क विभाग का संचालक बनाए जाने के खिलाफ उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है। मामला हल न होने पर मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रखने की रणनीति बना रहे हैं। भूपेश बघेल की सरकार में डिप्टी कलेक्टर को संचालक जनसंपर्क बनाने की परंपरा शुरू हुई। तब भी जनसंपर्क अधिकारियों ने उसका विरोध किया और मुख्यमंत्री से मिले थे, लेकिन उनकी आवाज नक्कार खाने की तूती बनकर रह गई। इसके पहले आईएएस को संचालक बनाया जाता रहा है या फिर विभागीय अधिकारी को प्रभार मिल जाता था।जनसंपर्क विभाग में एडिशनल डायरेक्टरों की तादात कुछ बढ़ी है, इस कारण भी अफसर भविष्य की राह बनाने में लगे हैं। खबर है कि इस बार धुआं ज्यादा उठ रहा है। अब देखते हैं जनसंपर्क अधिकारियों के सिर सेहरा बंधता या फिर पिछली बार की तरह उन्हें झुनझुना पकड़ा दिया जाता है।

मंत्रियों के स्टाफ पर उठने लगी उंगुलियां

राज्य की भाजपा सरकार ने एक तरफ भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है, तो दूसरी तरफ कुछ मंत्रियों के पीए-पीएस और विशेष सहायकों को लेकर उंगुलियां भी उठने लगी है। कहते हैं घरेलु मामले को लेकर अदालती फेर में फंसे एक अफसर को एक मंत्री ने अपना विशेष सहायक बना लिया है तो रमन राज में एक मंत्री के यहां चर्चित रहे अफसर ने भी एक नए नवेले मंत्री के यहां अपना ठीहा बना लिया है। इस अफसर ने कांग्रेस राज में भी कुछ दिनों तक एक मंत्री के यहां रस्सी थामे रहा। पोल खुलने पर विदाई हो गई। एक पुराने मंत्री ने इस बार पुराने चेहरों को अपने स्टाफ में जगह नहीं दी तो उन्होंने एक नए मंत्री का दामन थाम लिया। एक मंत्री ने तो मुआवजा प्रकरणों के खिलाड़ी एक अफसर को अपनी टीम में रख लिया है। मंत्री स्टाफ की छवि को लेकर चर्चा का बाजार गर्म होने लगा है और लोग कहने लगे हैं दागदार लोगों के सहारे मंत्री बेदाग सरकार कैसे चला पाएंगे ?

वन विभाग में उत्तर-दक्षिण की लड़ाई

कहते हैं छत्तीसगढ़ के वन विभाग में इन दिनों दो गुट बन गया है। उत्तर के अफसरों का एक गुट है,तो दूसरा एक दक्षिण भारतीय अफसरों का। अभी वन विभाग में दक्षिण भारतीय अफसरों का वर्चस्व है। उत्तर भारत से संबंध रखने वाले अफसर इस वर्चस्व को तोड़ने में लगे हैं। जंग का असर विधानसभा में भी नजर आने लगा है। सदन में चर्चा में भी वन विभाग सुर्खियों में आ जा रहा है। राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद से पीसीसीएफ श्रीनिवास राव को बदले जाने की चर्चा चल पड़ी है। कुछ दिनों पहले एक नाम भी सामने आ गया, लेकिन अब तक अधिकृत कुछ नहीं हुआ है। श्रीनिवास राव की नियुक्ति से प्रभावित अफसर कोर्ट गए हैं। कहते हैं 23 फ़रवरी को मामले की सुनवाई होनी है। कोर्ट के निर्देश का भी कुछ अफसरों को इंतजार है।

साय के राज में वापसी

भूपेश बघेल के राज में छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार में चले गए आईएएस और आईपीएस अफसर विष्णुदेव साय की सरकार में वापसी करने लगे हैं। माना जा रहा है कि अफसरशाही के लिए अनुकूल माहौल के चलते वापसी होने लगी है। आईएएस अफसर ऋचा शर्मा के

बाद सोनमणि बोरा और मुकेश बंसल को भी भारत सरकार ने रिलीव कर दिया है। अमित कटारिया और रजत बंसल की भी वापसी की चर्चा है। इनमें से कुछ अफसर समय पूरा होने से पहले ही लौट रहे हैं। आईपीएस अफसरों में पहले अमित कुमार आए। इसके बाद अमरेश मिश्रा की भी वापसी हो गई। अमित कुमार लंबे समय तक केंद्र सरकार में पदस्थ रहे। छत्तीसगढ़ सरकार ने आईपीएस अफसरों की नई पोस्टिंग कर दी है। आईएएस अफसरों की ज्वाइनिंग का इंतजार है। कहा जा रहा है केंद्र सरकार से आईएएस अफसरों की वापसी के बाद दो - तीन विभाग संभाले अफसरों का बोझ हल्का होगा और राज्य में आला अफसरों की कमी दूर होगी।

विधायक पर भारी पड़े अधिकारी

कहते हैं एक भाजपा विधायक पर महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी भारी पड़ गए। खबर है कि महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी एक प्रश्न पर सदन पर चर्चा नहीं चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कूटनीति का इस्तेमाल किया और सफल हो गए। प्रश्न तारांकित से अतारांकित में बदल गया। अब प्रश्न-उत्तर विधानसभा की प्रश्नोत्तरी में तो छपेगा, लेकिन उस पर सवाल-जवाब नहीं होगा। चर्चा है कि विधायक जी 20 फ़रवरी को इस प्रश्न को जोर-शोर से

उठाने की तैयारी में जुटे थे। अब विधायक जी आक्रमण नहीं कर पाएंगे। कहा जा रहा है कि कूटनीति सफल होने पर विभाग के अफसरों ने जश्न मनाया। बताते हैं प्रश्न पिछली सरकार में अधिकारियों-कर्मचारियों के भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। विधानसभा में चर्चा होती तो कई अधिकारियों-कर्मचारियों के कपड़े उत्तर जाते।

पुलिस मुख्यालय में पोस्टिंग का इंतजार

राज्य सरकार ने फ़रवरी के पहले हफ्ते में कई आईपीएस अफसरों की पोस्टिंग बदली थी। फील्ड में

तैनात अफसर पुलिस मुख्यालय में भेजे गए और पुलिस मुख्यालय के कुछ अफसरों को फील्ड में भेजा गया। जिले में भी इधर से उधर हुए। पुलिस मुख्यालय में आए अफसरों को अभी तक कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। ये अफसर भूपेश बघेल के राज में प्राइम पोस्टिंग पर रहे। साय की सरकार इन अफसरों को क्या काम सौंपती है या नहीं, इस पर सबकी नजर टिकी हुई है।

उच्च शिक्षा आयुक्त रहने का रिकार्ड

कहते हैं आईएएस शारदा वर्मा 2019 से उच्च शिक्षा आयुक्त हैं। अब तक राज्य में इतने लंबे समय तक कोई भी कमिश्नर हायर एजुकेशन नहीं रहा। भूपेश बघेल के राज में जब अफसरों की पोस्टिंग फटाफट बदल जाती थी, तब भी शारदा वर्मा अप्रभावित रहीं। विष्णुदेव साय की सरकार ने जनवरी महीने में आईएएस अफसरों में फेरबदल किया, तब भी उनका विभाग नहीं बदला। शारदा वर्मा वित्त विभाग में भी विशेष सचिव हैं।

यूपीएससी को गए डिप्टी कलेक्टरों के नाम

कहते हैं सात डिप्टी कलेक्टरों को आईएएस बनाने के लिए राज्य शासन ने इस महीने संघ लोकसेवा आयोग को प्रस्ताव भेज दिया है। सात पदों के लिए 21 अफसरों के नाम भेजे गए हैं। इनमें 2008 बैच के अफसरों के अलावा हिना नेताम और संतोष देवांगन के नाम भी आईएएस के लिए भेजा गया है। बताते हैं जेल में बंद डिप्टी कलेक्टर सौम्या चौरसिया आईएएस के लिए विचार क्षेत्र से बाहर हो गई है। सौम्या का नाम आईएएस के लिए संघ लोकसेवा आयोग को नहीं भेजा गया है। 2008 बैच को 2021 और 2022 में आईएएस अवार्ड हो जाना चाहिए था।

शाह इसी माह, प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने आएंगे

रायपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय स्तर के नेताओं का छत्तीसगढ़ दौरा होने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह लोकसभा चुनाव को लेकर फरवरी, मार्च में प्रदेश का दौरा कर सकते है। सूत्रों की माने तो सबसे पहले गृहमंत्री अमित शाह 22 फरवरी को छत्तीसगढ़ आएंगे । यहां रायपुर में बीजेपी पदाधिकारियों के संग बैठक करेंगे। इसके बाद अगले महीने 8 मार्च तक मोदी के आने की संभावना है। खबर यह भी है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिन पहले 20 फरवरी को रायपुर आ रहे हैं। हालांकि अभी तक किसी नेता का कार्यक्रम फाईनल नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक 8 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर आ सकते है। आठ मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन भाजपा सरकार के महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा साय सरकार की ओर से की गई है। प्रधानमंत्री मोदी योजना का शुभारंभ करने आ सकते है।

22 फरवरी को प्रदेश भाजपा की अहम बैठक

रेत का अवैध खनन 6 चैन माउंटेड मशीन सहित 57 वाहन जब्त

रायपुर। प्रदेश में खनिजों के अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के विरूद्ध कार्रवाई का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में जिला खनिज टास्क फोर्स ने कई इलाकों में दबिश देकर रेत के अवैध खनन में लगे चैन माउण्टेड मशीन और वाहन जब्त किए। जिला खनिज टॉस्क फोर्स में राजस्व विभाग, खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे।

बघेल का झारखंड दौरा हुआ रद्द

कमलनाथ पुत्र के भाजपा प्रवेश के अटकलों के बीच नाटकीय घटनाक्रम

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले कमलनाथ और बेटे नकुलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है। सियासी बवाल के बीच नकुलनाथ ने ट्विटर अकाउंट से कांग्रेस हटा कर कयासों और हवा दे दी है। कयासों के बीच कमलनाथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। दूसरी ओर खबर आ रही है कि कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की खबरों के बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपना झारखंड दौरा रद्द कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व सीएम भूपेश बघेल आज एक दिवसीय प्रवास पर रांची जाने वाले थे, लेकिन अब उनका झारखंड दौरा रद्द हो गया है। बताया जा रहा है कि कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के चलते उनका दौरा रद्द हुआ है। अब देखना होगा कि क्या कांग्रेस पार्टी के लिए भूपेश बघेल संकट मोचन बनेंगे? और कमलनाथ की नाराजगी दूर करने में कामयाब रहेंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मोदी 20 को करेगे कवर्धा केन्द्रीय विद्यालय का वर्चुअल लोकार्पण

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के महराजपुर स्थित नवीन केन्द्रीय विद्यालय भवन का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इस लोकार्पण समारोह में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, सांसद श्री संतोष पाण्डेय को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। केन्द्रीय विद्यालय भवन एवं कर्मचारी आवासीय भवन सहित अन्य निर्माण कार्यो की लागत 20.56 करोड़ रूपए बताई गई है। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने केन्द्रीय विद्यालय भवन के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर श्री महोबे और जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने नवीन केन्द्रीय विद्यालय भवन का निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और सांसद श्री संतोष पाण्डेय के अथक प्रयासों से कबीरधाम जिले को केन्द्रीय विद्यालय का एक नया संयुक्त परिसर का निर्माण कार्य पूरा हो पाया है। प्राचार्य श्री सुशील कुमार ने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय भवन निर्माण कार्यो की आधारशिला वर्ष 2017 में रखी गई थी। वर्तमान में केन्द्रीय विद्यालय कक्षा 11वीं तक संचालित है। जिसमें 486 विद्यार्थी अध्यनरत है। अध्यनरत विद्यार्थियों में 248 छात्र और 238 छात्राएं शामिल है। नवीन केन्द्रीय विद्यालय भवन में सभी कक्षाएं उच्च स्तरीय तरीके से बनाएं गए है।

छत्तीसगढ़ में पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 फरवरी को होने जा रहा है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 फरवरी को शाम 5.30 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल होंगे। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत देश भर के 14500 सरकारी स्कूलों को पीएम श्री योजना में अपग्रेड किया जा रहा है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों का चयन प्रथम चरण में किया गया है। इसमें एलीमेन्ट्री स्तर पर 193 और सेकेंडरी स्तर पर 18 स्कूल शामिल है। विद्यार्थियों को इन स्कूलों में आईसीटी, डिजिटल क्लास रूम के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इन स्कूलों के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा एवं स्थानीय उद्योगों के साथ इंटर्नशिप, उद्यमिता के अवसरों से जोड़ा जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन और केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुनील सोनी, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू और महापौर रायपुर श्री एजाज ढेबर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

61 लाख 28 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 17 फरवरी की स्थिति में 61 लाख 28 हजार 959 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में इस एप्प के जरिए नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहां पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाईन प्रक्रिया के जरिए राशनकार्डों के नवीनीकरण हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा भी दी जा रही है।

अग्रसेन महावि. में प्लेसमेंट केम्प का हुआ आयोजन

रायपुर. अग्रसेन महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. एवं समाज कार्य विभाग (एम.एस.डब्ल्यू.) द्वारा रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आज प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया गया. इसमें राजधानी के गैर-सरकारी संगठन उमादेवी बहु-उद्देश्यीय शिक्षा एवं विकास संस्थान के पदाधिकारियों ने समाज कार्य के क्षेत्र में योग्य कार्मिकों का चयन किया. संस्थान के परियोजना समन्वयक लक्ष्मीनारायण देवांगन, प्रशिक्षक प्रशांत वर्मा ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया. कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय में रोजगार प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो अभिनव अग्रवाल, समाज-कार्य संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो मोहम्मद रफीक तथा समाज-कार्य विभाग की प्राध्यापक प्रो. रुखमणि अभिनव अग्रवाल ने किया. इस आयोजन को उद्देश्यपूर्ण बताते हुए संस्थान के परियोजना समन्वयक लक्ष्मीनारायण देवांगन ने कहा कि अग्रसेन महाविद्यालय के बहुत से छात्र प्रायः हर वर्ष समाज कार्य विषय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करते हैं. यही जानकर वे यहाँ रोजगार शिविर केजरिए योग्य युवाओं को चुनने के उद्देश्य से आये हैं. इस अवसर पर महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं अग्रसेन महाविद्यालय के निदेशक डॉ. वी.के अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए समय-समय पर इस तरह के रोजगार शिविर आयोजित किये जाते हैं.

स्नेहा बंजारे ने अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

कोरबाः जीत के लिए जूनून चाहिए, आत्मविश्वास रगों में खूब चाहिए, ये आसमान भी आएगा जमी पर, बस इरादों में जीत की गूंज चाहिए्छत्तीसगढ़ के ऊर्जाधानी की ऊर्जावान बेटी स्नेहा बंजारे ने इसे सच साबित कर दिखाया है. दरअसल, कोरबा शहर की रहने वाली स्नेहा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का का मान बढ़ाया है. स्नेहा ने,श्व में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे टूर्नामेंट 2024 में सिल्वर मेडल हासिल किया है. कोरबा जिले की स्नेहा बंजारे ने सीनियर वर्ग में 68 किग्रा में रजत पदक प्राप्त कर भारत देश को गौरवान्वित किया है. कोच खेत्रों महानंद ने जानकारी देते बताया कि स्नेहा बंजारे ने लगातार 11 अलग-अलग देशों से जीतकर फाइनल राउंड में जगह बनाई एवं फाइनल राउंड मिस्र देश के साथ लड़कर सिल्वर मेडल का खिताब अपने नाम किया है. उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्व के अमेरिका, इंग्लैंड, रुस, जॉर्डन समेत 84 देशों ने हिस्सा लिया एवं भारत देश से 49 खिलाड़ियों का चयन किया गया था. इसमें छत्तीसगढ़ से एकमात्र महिला खिलाड़ी स्नेहा बंजारे चयनित की गई थी. आपको बता दें कि स्नेहा एक सामान्य परिवार की रहने वाली हैं. स्नेहा वर्तमान में गुरु घसीदास यूनिवर्सिटी में एम.पी.एड. फाइनल ईयर की छात्रा हैं. स्नेहा के प्रेरणा और मार्गदर्शक अपने बड़े भाई हैं.

छत्तीसगढ़ में सुशासन का नया दौर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को संवारने के लिए तेजी से फैसले ले रही है। जनहित में लिये जा रहे इन फैसलों से राज्य के वनांचल क्षेत्रों सहित पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल है। राज्य में सुशासन का नया दौर शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शपथ लेने के केवल दो माह के अंदर ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अनेक कदम उठाएं हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने अन्नदाता किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि देने का निर्णय लेते हुए लगभग 13 लाख किसानों के बैंक खातों में सुशासन दिवस के दिन 3716 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की गई है। किसानों को वर्तमान में समर्थन मूल्य का भुगतान सहकारी बैंकों के माध्यम से किया गया है। किसानों को अंतर की राशि देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना प्रारंभ की जा रही है, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 10 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक में 12 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के साढ़े 12 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत निःशुल्क नल कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। निःशुल्क नल कनेक्शन देने के लिए राज्य के बजट में 4,500 करोड़ रुपये प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री खाद्यान्न सुरक्षा योजना के लिए 3 हजार 400 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपये वार्षिक सहायता का निर्णय भी लिया गया है, इसके लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा शपथ ग्रहण के दूसरे दिन प्रथम कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया, इसके लिए वर्ष 2023-24 के अनुपूरक बजट में 3799 करोड़ और वर्ष 2024-25 के बजट में 8,369 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण सहित स्वास्थ्य और पोषण को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए की दर से वार्षिक 12 हजार रुपए आर्थिक सहायता दी जाएगी

रायपुर प्रेस क्लब में संकल्प और संगवारी पैनल का कब्जा, प्रफुल्ल ठाकुर चुने गए अध्यक्ष, संदीप शुक्ला उपाध्यक्ष, वैभव शिव पांडेय महासचिव

रायपुर. रायपर प्रेस क्लब में संकल्प और संगवारी पैनल ने अपना कब्जा जमाया. अध्यक्ष पद पर संकल्प पैनल से प्रफुल्ल ठाकुर, उपाध्यक्ष पद पर संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई और संयुक्त सचिव पद पर बमलेश्वर (अरविंद) सोनवानी ने जीत दर्ज की है. वहीं संगवारी पैनल से महासचिव वैभव शिव पांडेय, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी ने जीत हासिल की है. चुनाव में 5 पैनल से 6 पदों के लिए कुल 27 प्रत्याशी मैदान पर थे. प्रत्याशियों के बीच जबरदस्त मुकाबला था. मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब में आज सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा. इसके बाद मतों की गिनती शुरू हुई, जिसमें संकल्प पैनल से अध्यक्ष पद पर प्रफुल्ल ठाकुर, उपाध्यक्ष पद पर संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई और संयुक्त सचिव पद पर बमलेश्वर (अरविंद) सोनवानी ने जीत दर्ज की है. वहीं संगवारी पैनल से महासचिव वैभव शिव पांडेय, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी ने जीत हासिल की है. संयुक्त सचिव के लिए तृप्ति सोनी को 232 तो वहीं अरविंद सोनवानी को 194 वोट मिले. कोषाध्यक्ष पद के लिए रमन हलवाई को 218 वोट मिले. वहीं महासचिव पद के लिए डॉ. वैभव शिव पांडेय को 198 वोट मिले. उपाध्यक्ष पद के लिए संदीप शुक्ला को 298 वोट मिले.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.